• जयपुर, शनिवार 31 अक्टूबर 26 • वर्ष 15 • अंक 363 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

RNI. No. RAJHIN/2011/40950
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित



कांग्रेस ने भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और जातिवाद के सारे रिकॉर्ड तोड़े, लोकतांत्रिक संस्थाओं को बदनाम करने का प्रयास किया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कोटा में लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा को संबोधित किया

कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर लोकतांत्रिक अधिकारों का गला घोंटा, अब लोकतंत्र के नाम पर जनता को गुमराह कर रही है

चमकता राजस्थान

कोटा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को कोटा में लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा को संबोधित किया और इसके पश्चात पदयात्रा में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जिन लोगों ने कभी लोकतंत्र को माना ही नहीं और संविधान को हमेशा तोड़ने का काम किया, वे आज लोकतंत्र की दुहाई दे रहे हैं। लोकतंत्र जनता की शक्ति है और देश के प्रत्येक नागरिक के अधिकारों की रक्षा का आधार है। आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पूरी दुनिया में भारत की गौरवशाली विरासत और लोकतांत्रिक मूल्यों का डंका बज रहा है। दुनिया ने माना है कि प्रजातंत्र सही मायने में अगर जीवंत और सशक्त है, तो उसका सबसे बड़ा उदाहरण भारत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव लड़ना और अपनी बात रखना सबका अधिकार है। लेकिन कांग्रेस की राजनीति का दोहरापन देखिए कि जब चुनाव परिणाम उसके पक्ष में आते हैं तो लोकतंत्र मजबूत होता है और जब परिणाम पक्ष में नहीं आते तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाता है। उन्होंने कहा





कि कांग्रेस के लोगों ने भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण के सारे आंकड़े तोड़ दिए और लोकतंत्र का मजाक बनाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठा रही है। जहां ये जीतते हैं वहां इनके लिए ईवीएम सही और जहां हारते हैं वहां खराब है, ऐसा इनका दोहरा चरित्र है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1975 के आपातकाल के समय कांग्रेस ने लोकतांत्रिक अधिकारों का गला घोंट दिया गया था और संविधान की मर्यादा को कुचला था। जिसकी वजह से अनेक लोकतंत्र सेनानियों और उनके परिवारों ने असहनीय पीड़ा झेली। उन्होंने कांग्रेस से सवाल करते हुए कहा कि क्या आपातकाल व्यक्तिगत स्वार्थ के आधार पर नहीं लगाया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकाल के काले दौर से सबक लेते हुए हम सभी को देश के लोकतंत्र, इसकी पवित्र संस्थाओं और संविधान की रक्षा के लिए सदैव डटे रहने का संकल्प लेना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने केंद्र सरकार में रहते हुए राज्यों की सरकारों को बर्खास्त किया था, यह बात उसे याद रखना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने देश के गौरव एवं स्वाभिमान से जुड़े विषयों पर प्रश्नचिन्ह खड़े किए। सेना, चुनाव आयोग, सर्वोच्च न्यायालय, सीबीआई और ईडी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा और अगर खाया है, तो उसको भी निकाल लूंगा। जबकि कांग्रेस ने अपने पूरे शासनकाल में भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और जातिवाद के आधार पर काम किया और जनता के दर्द को कभी नहीं जाना।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता दिन के 24 घंटे, महीने के 30 दिन और साल के 365 दिन जनता के बीच रहकर काम करता है। भाजपा ने लंबे समय तक विपक्ष की सक्रिय भूमिका निभाई। हमारे कार्यकर्ताओं ने जनता के बीच जाकर उनकी संवेदनाओं में शामिल होकर देश की जनता का दिल जीता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता जब सरकार में होते हैं तो चार-चार महीने होटलों में बिता देते हैं। इनके लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता देश में कम और विदेश में ज्यादा रहते हैं।

मुख्यमंत्री ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का उल्लेख करते हुए कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण है। वास्तविक मतदाताओं के अधिकार सुरक्षित रहें और अपात्र प्रविष्टियों की नियमानुसार जांच हो, ये दोनों बातें आवश्यक हैं। यदि किसी को एसआईआर की प्रक्रिया पर आपत्ति है तो उसे ठोस प्रमाणों के साथ सक्षम प्राधिकरण और न्यायालय के समक्ष रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल अपने जवाबी हलफनामे में एसआईआर से संबंधित विभिन्न आरोपों पर अपना पक्ष रखा है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि एसआईआर से संबंधित प्रमुख आदेश सर्वसम्मति से अनुमोदित किए गए थे। मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने का अधिकार वैधानिक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी के पास है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा हमला करते हुए कहा कि राजस्थान में सत्ता संघर्ष के दौरान चार महीने तक कांग्रेस होटलों में बंद थी। इनकी सरकार ने पंचायत और निकाय चुनाव कराने में दो साल लगाए। हर तीन महीने में आचार संहिता लगाते थे। उन्होंने कहा कि हमने वन स्टेट-वन इलेक्शन की बात कही तो कांग्रेस के लोग कहते थे कि ये नहीं करा पाएंगे, तुम्हारे काका जी भी नहीं करा पाएंगे। अब वो देख लें कि काका जी ने चुनाव कराए कि नहीं। निकाय चुनाव संपन्न हुए हैं और पंचायत चुनाव भी हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग लोकतंत्र की बात करते हैं, लेकिन इनके शासनकाल में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का किस तरह दुरुपयोग किया, यह जनता जानती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। अब तक 265 से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों को निलंबित किया गया है और करीब 700 के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। कई मामलों में शत-प्रतिशत पेंशन रोकी गई है तथा कार्मिकों को सेवा से हटाने और बर्खास्त करने जैसी कार्रवाई भी की गई है। भ्रष्टाचारी कोई भी हो, उसे किसी कीमत पर नहीं छोड़ा जाएगा और पूरी तरह दंडित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार गरीब कल्याण की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस जिस तरह लोकतंत्र में अराजकता फैलाने का काम कर रही है, हम सभी को उसका जनता के बीच जाकर मुंहतोड़ जवाब देना होगा। आज जनता ने कांग्रेस को नकार दिया है, इसलिए उसे अब लोकतंत्र के नाम पर भ्रम फैलाने के बजाय अपने शासनकाल के कारनामों का जवाब देना चाहिए। आने वाले समय में कांग्रेस का अन्य राज्यों से भी सूपड़ा साफ होने वाला है।

लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विधायक संदीप शर्मा, विधायक श्रीमती कल्पना देवी, कोटा शहर जिला अध्यक्ष राकेश जैन, कोटा देहात जिला अध्यक्ष प्रेम गोचर, महापौर श्रीमती अनुसुइया गोस्वामी, उपमहापौर विवेक राजवंशी, अजमेर के पूर्व उपमहापौर नीरज जैन, कार्यक्रम संयोजक पुनीत कर्णावट, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच सहित वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

न्यूज अपडेट

भूटान में ग्लेशियल झील फटने से असम और पश्चिम बंगाल में हाई अलर्ट, बाढ़ के आसार

गुवाहाटी/कोलकाता/एजेंसी। भूटान के ऊंचाई वाले हिमालयी क्षेत्र में एक विशाल हिमनदीय झील के अचानक फटने से भारत के पूर्वोत्तर और पूर्वी हिस्सों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। संभावित आपदा को देखते हुए असम और पश्चिम बंगाल के निचले इलाकों में उच्च सतर्कता जारी कर दी गई है। झील फटने से अचानक आई बाढ़ के कारण भूटान में सौर ऊर्जा से संचालित सिंचाई परियोजना को नुकसान पहुंचा है, जबकि पुनाखा-गासा राजमार्ग का एक हिस्सा मलबे से बंद हो गया है। राहत की बात यह है कि अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, भूटान के गासा जिले में स्थित शिंटाफू झील गुरुवार को अचानक फट गई। यह झील मो-छू नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में स्थित है। झील में पानी का स्तर बढ़ने और उसके प्राकृतिक अवरोध के टूटने से बड़ी मात्रा में पानी तेजी से नदी में पहुंचा है। इसके कारण नदी का जलस्तर बढ़ने की आशंका है।

बदरीनाथ से लौट रहा हेलीकॉप्टर जोशीमठ के पास दुर्घटनाग्रस्त, छह लोगों की मौत

देहरादून/एजेंसी। उत्तराखंड के चमोली जिले में जोशीमठ के पास शुक्रवार को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में पायलट समेत हेलीकॉप्टर में सवार सभी छह लोगों की मौत हो गई। हेलीकॉप्टर बदरीनाथ धाम से यात्रियों को लेकर देहरादून के सहस्त्रधारा लौट रहा था। दुर्घटना के बाद चलाए गए तलाशी अभियान में बचाव दल को घटनास्थल से छह जले हुए शव और हेलीकॉप्टर का मलबा मिला। हादसा भारी बारिश और घने कोहरे के बीच हुआ। खराब मौसम को दुर्घटना की संभावित वजह माना जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हेलीकॉप्टर शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ बजे जोशीमठ के निकट पहुंचा था। इसी दौरान उसका हवाई यातायात नियंत्रण से संपर्क टूट गया। कुछ ही देर बाद हेलीकॉप्टर का निगरानी तंत्र भी संकेत भेजना बंद हो गया। इसके बाद जिला प्रशासन ने तलाशी अभियान शुरू किया।

हमारे किसान विकसित भारत के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक : पीएम मोदी

बनासकांठा/एजेंसी

गुजरात के बनासकांठा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। उन्होंने अहमदाबाद (साबरमती)-वाराणसी एक्सप्रेस और मेहसाणा-बेचराजी-साबरमती मेमू ट्रेन सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाई। इस दौरान उन्होंने एक बड़ी जनसभा को भी संबोधित किया। संबोधन की शुरुआत में पीएम मोदी ने कहा कि आज टेक्नोलॉजी से देश और गुजरात का हर किसान जुड़ा हुआ है। उन्होंने कार्यक्रम से जुड़े सभी लोगों का स्वागत किया। सभा के माहौल का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि देश के लोगों के लिए यह भी अजूबा होगा कि सभा में सारे लोग चौपाइयों पर बैठे हैं। उन्होंने कहा



कि अगर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को बताया होता तो आज जरूर इसका रिकॉर्ड बन जाता।

पीएम मोदी ने कहा कि नवरात्र के कुछ ही दिन बाद मां अंबा की पावन धरती पर आने का अवसर मिला है। मैं मां अंबा को प्रणाम करता हूं। उन्होंने बताया कि आज ही पीएम किसान सम्मान निधि की नई किस्त किसानों के खाते में पहुंची है और उन्होंने देश के किसानों को इसके लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे किसान विकसित भारत के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक हैं। हमारी सरकार ने हमेशा किसानों को सशक्त करने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि किसानों का बजट 5 गुना से अधिक हो गया है। आज करीब 10 करोड़ किसानों के खाते में 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि भेजी गई है। गुजरात के 50 लाख से अधिक किसानों को भी इसका लाभ मिला है, उनके खाते में एक हजार करोड़ रुपये से अधिक जमा हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में सरकार की नीतियों की वजह से 50 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा किसानों को मिले हैं। उन्होंने इसके लिए 5 योजनाओं का उदाहरण दिया।

पहली योजना पीएम किसान सम्मान निधि है, जिसके तहत करीब 4.5 लाख करोड़ रुपये सीधे छोटे किसानों के बैंक खातों में पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद कभी इन छोटे किसानों की जरूरतों को नहीं समझा गया था, जबकि देश में छोटे किसानों की संख्या 85 प्रतिशत से ज्यादा है। ऐसे छोटे किसानों की चिंता हमारी सरकार ने की और पीएम किसान निधि से मदद पहुंचाई।

दूसरी बड़ी बात खाद को लेकर कही। उन्होंने कहा कि बीते सालों में वैश्विक अनिश्चितता के बीच खाद की कीमतों में बहुत उछाल आया है, लेकिन किसानों को समर्पित हमारी सरकार ने इसका बोझ किसानों पर नहीं पडने दिया। सरकार ने इस पर करीब 16 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

तीसरी बात एमएसपी को लेकर थी। पीएम मोदी ने कहा कि पहले की सरकारें एमएसपी को लेकर किसानों को धोखा ही दे रही थीं, लेकिन हमारी सरकार है जिसने एमएसपी का वादा पूरा किया है। पिछले 12 वर्षों में गेहूं और धान के किसानों के लिए एमएसपी के रूप में 24 लाख करोड़ रुपये खाते में गए हैं।

चौथी योजना पीएम फसल बीमा योजना है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने फसल बीमा योजना का बहुत बड़ा सुरक्षा कवच किसानों को दिया है। पिछले 12 वर्षों में फसल बीमा के लिए किसानों को 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक मिल चुका है।

पांचवीं योजना सिंचाई से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि हमारा निरंतर प्रयास है कि सिंचाई पर किसान की लागत कम हो। पीएम कुसुम योजना के तहत लागत सुनिश्चित हो रही है।

पीएम-किसान की 24वीं किस्त जारी, देश के 9.34 करोड़ किसानों को मिले 18,700 करोड़ रुपये

रांची में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर की उपस्थिति में हुआ सीधा प्रसारण, 415 किसानों ने लिया हिस्सा

रांची /एजेंसी।

भाकृअनुप-राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान, नामकुम में शुक्रवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 24वीं किस्त जारी करने के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण आयोजित किया गया। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में 415 किसानों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने देश के लगभग 9.34 करोड़ किसानों के बैंक खातों में करीब 18,700 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की। कार्यक्रम में संयुक्त सचिव फ्रैंकलिन एल. खोबुंग सहित केंद्र और झारखंड सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि पिछले 12 वर्षों में देश में दूध उत्पादन लगभग 1.6 गुना बढ़ा है। साथ ही भारत शहद उत्पादन में विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश बना है और समुद्री खाद्य निर्यात में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। केंद्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने कहा कि पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। उन्होंने किसानों से इस राशि का उपयोग गुणवत्तापूर्ण बीज और कृषि सामग्री खरीदने में करने की अपील की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने कृषि बजट में लगभग पांच गुना वृद्धि कर किसानों के कल्याण और कृषि विकास को नई गति दी है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

अनंत सिंह को सरेंडर करने का निर्देश

नई दिल्ली/एजेंसी।



दुलारचंद यादव हत्याकांड में मोकामा के विधायक अनंत सिंह को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने पटना हाईकोर्ट की ओर से दी गई जमानत पर रोक लगाते हुए अनंत सिंह को 1 दिसंबर तक सरेंडर करने का निर्देश दिया है। उन्होंने अपनी बेटी की शादी का हवाला देते हुए तत्काल सरेंडर से राहत देने की मांग की थी, लेकिन अदालत ने उनकी याचिका स्वीकार नहीं की।

फिर काटनी होगी जेल की सजा

संपादकीय

सरकार की मंजूरी ही निर्णायक

जजों की नियुक्ति में सरकार की मंजूरी ही निर्णायक रही, तो फिर कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के बीच अलगाव के सिद्धांत का क्या हुआ? और क्या इसे तथा न्यायपालिका की स्वतंत्रता का समर्पण नहीं माना जाएगा?

भारतीय संविधान में अपनाए गए शक्तियों के विभाजन के सिद्धांत के तहत न्यायपालिका की स्वायत्त हैसियत है। सर्वोच्च न्यायालय ने व्याख्या की कि ये विभाजन संविधान के मूलभूत ढांचे का हिस्सा है। इसी आधार पर उसने 1993 और 1998 में दिए दो निर्णयों के जरिए उच्चतर न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम सिस्टम कायम किया। इस प्रणाली की अक्सर यह कहकर आलोचना की गई है कि इससे सुप्रीम कोर्ट ने जजों की नियुक्ति में सरकार और विधायिका की भूमिका खत्म कर दी और उसने खुद को 'स्वायत्त' की जगह 'स्वतंत्र' बना लिया।

ऐसा सिस्टम शायद ही किसी और लोकतांत्रिक देश में हो! मगर भारत की विशेष परिस्थितियों में नियुक्ति प्रक्रिया को पूर्णतः न्यायपालिका के दायरे में रखने के चलन को व्यापक जन-समर्थन रहा है। यह इस भरोसे रहा है कि इससे शासन व्यवस्था में अवरोध एवं संतुलन के सिद्धांत को व्यावहारिक बनाए रखने में मदद मिलेगी। अब सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व जज न्यायमूर्ति संजय किशन कौल ने पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ के व्यवहार के बारे में जो कहा है, उसे इसी बड़े संदर्भ में देखना चाहिए। जस्टिस कौल ने कहा कि न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ कॉलेजियम के जरिए जजों की नियुक्ति का प्रस्ताव भेजने के पहले जजों की लिस्ट पर सरकार की मंजूरी लेते थे। न्यायमूर्ति कौल ने कहा कि चंद्रचूड़ सरकार के प्रति 'अत्यधिक सम्मान की भावना' रखते थे।

इन टिप्पणियों से सर्व-प्रमुख प्रश्न यही उठता है कि अगर अंततः सरकार की मंजूरी ही निर्णायक पहलू रहा, तो फिर कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के बीच अलगाव के सिद्धांत का क्या हुआ? और क्या इसे तथा न्यायपालिका की स्वतंत्रता का समर्पण नहीं माना जाएगा? फिलहाल, दावा सिर्फ एक प्रधान न्यायाधीश के व्यवहार के बारे में किया गया है, लेकिन हालिया वर्षों में उच्चतर न्यायपालिका के संबंध में इससे मिले-जुले सवाल अक्सर उठते रहे हैं। ये प्रश्न खुद न्यायपालिका में खास भूमिका रखने वाली शख्सियतों ने उठाए हैं। इन चर्चाओं ने कोर्ट की भूमिका को लेकर परिदृश्य को मटमैला कर दिया है। वर्तमान माननीय न्यायाधीशों को इस पर तुरंत गौर करना चाहिए, क्योंकि न्यायपालिका के साथ-साथ पूरी संवैधानिक व्यवस्था की साख दांव पर है।

भारत की कृषि गाथा का नया रूपः परिवर्तन का एक दशक

● शिवराज सिंह चौहान

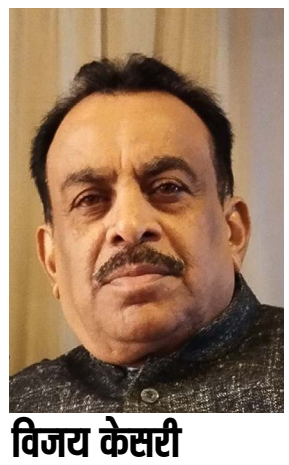
जब माननीय प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 में पदभार संभाला, तब कृषि और किसान कल्याण को भारत के विकास एजेंडे के केंद्र में रखा गया। वर्ष 2015 से यह प्रतिबद्धता उत्पादन और कृषि आय में सुधार से आगे बढ़×कर कृषि क्षेत्र को अधिक उत्पादक, सुदृढ़, प्रौद्योगिकी-आधारित और टिकाऊ बनाने के व्यापक परिवर्तन में परिलक्षित हुई है। प्रधानमंत्री ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि विकसित भारत के लिए भारतीय कृषि का भी विकास होना चाहिए। उन्होंने यह भी आ''ान किया है कि भारत केवल अपनी खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित न रहे, बल्कि वैश्विक खाद्य आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरे। लाल बहादुर शास्त्री के जय जवान, जय किसान और अटल बिहारी वाजपेयी के जय विज्ञान के आ''ान को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री ने देश को जय अनुसंधान का मंत्र दिया। इस मंत्र के माध्यम से उन्होंने अनुसंधान और नवाचार को भारत की कृषि के भविष्य के केंद्र में स्थापित किया। ये शब्द केवल नीतिगत दिशा का वक्तव्य नहीं थे, बल्कि एक व्यावहारिक दृष्टि के परिचायक थे, जिसकी दूरदर्शिता और विवेक की पुष्टि एक दशक बाद सामने आए साक्ष्यों से स्पष्ट रूप से हुई।

» खाद्य सुरक्षा से कृषि के नए प्रतिमान तक

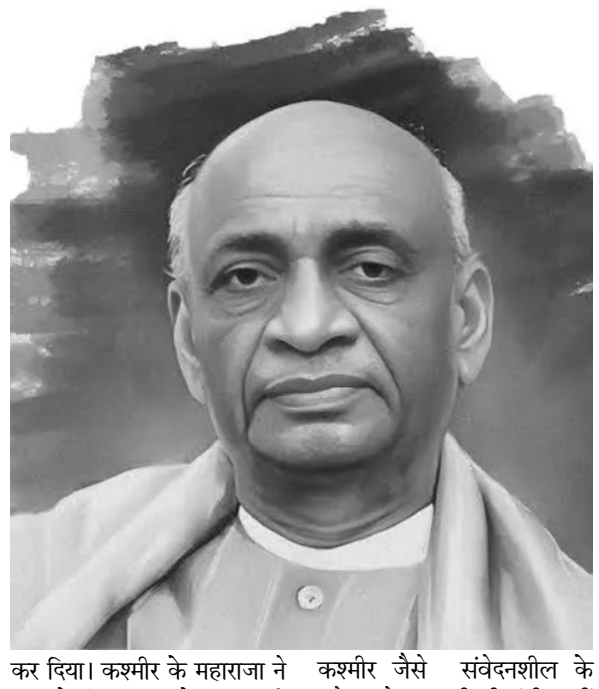
यह विजन भारतीय कृषि को देखने के हमारे दृष्टिकोण में निर्णायक बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। हरित क्रांति ने भारत को खाद्य सुरक्षा प्रदान की। आज हमारी जिम्मेदारी पोषण सुरक्षा, किसानों की समृद्धि, संसाधन सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता की मजबूत नींव तैयार करना है। भारत की कृषि यात्रा उल्लेखनीय उपलब्धियों से भरी रही है। कभी खाद्य आयात पर निर्भर रहने वाला भारत कुछ ही दशकों में प्रमुख अनाजों के मामले में आत्मनिर्भर बन गया। हरित क्रांति को विज्ञान, उन्नत बीजों, सिंचाई, बुनियादी ढांचे, संस्थागत ऋण, कृषि विस्तार सेवाओं और नीतिगत सहायता से गति मिली। इससे यह सिद्ध हुआ कि जब वैज्ञानिक क्षमता और राजनीतिक प्रतिबद्धता किसी राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए एक साथ आती हैं, तो क्या कुछ अर्जित किया जा सकता है।

(31 अक्टूबर, महान स्वाधीनता सेनानी सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर विशेष)

पटेल के जीवन से राष्ट्र की एकता और अखंडता की सीख लेनी चाहिए



विजय केसरी



महान स्वाधीनता सेनानी, देश के पहले उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल अगर देश की आजादी के बाद पहले प्रधानमंत्री बने होते तब देश की तस्वीर कुछ और होती। सरदार पटेल के आलोचक भी इस बात को मानते हैं कि सरदार पटेल उक्त कालखंड के प्रधानमंत्री पद के सबसे मजबूत दावेदार रहे थे। सरदार वल्लभभाई पटेल एक कुशल राजनीतिज्ञ के साथ एक दूर द्रष्टा भी थे । सरदार पटेल राष्ट्रवाद के पक्के पक्षधर थे । भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में उनका प्रवेश महात्मा गांधी के आ''ान पर हुआ था। राष्ट्रीय कांग्रेस के कई अधिवेशनों में सरदार पटेल और महात्मा गांधी के साथ साथ रहे, लेकिन मंचों पर द्वय नेताओं के भाषणों में कुछ ना कुछ वैचारिक भिन्नता जरूर दिखाई दी । जिसका उस कालखंड के अखबारों में बहुत ही विस्तार से चर्चा की हुई। सरदार पटेल एक ईमानदार, निर्भीक,कर्तव्य निष्ठ नेता के रूप में अपनी पहचान बनाने में सफल हुए थे। उन्होंने राष्ट्रवादी नेताओं से जो कुछ सीखा, उसे ही अपने कार्यकाल में लागू करने का प्रयास किया था। उनकी दूरदृष्टि की चर्चा आज भी होती है। सरदार वल्लभभाई पटेल अपने निर्णय के चलते एक ऐतिहासिक पुरुष के रूप में भी जाने जाते हैं।

वल्लभभाई झावेरभाई पटेल, सरदार पटेल के नाम से जाने जाते थे। आज भी लोग सरदार वल्लभ भाई पटेल को सरदार पटेल के रूप में ही संबोधित करते हैं। । वे स्वाधीनता आंदोलन में कूदने से पूर्व एक चर्चित अधिवक्ता थे। सरदार पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता के रूप में जाने जाते थे। मंच पर सरदार पटेल की उपस्थिति से कार्यकर्ताओं में जोश भर जाया करता था। ऐसा उनका व्यक्तित्व का प्रभाव था।

उन्होंने भारतीय गणराज्य की संस्थापना में महती भूमिका अदा की थी। उन्होंने स्वतंत्रता के लिए देश के संघर्ष में अग्रणी भूमिका निभाई थी। उन्होंने देश की आजादी के बाद एक एकीकृत, स्वतंत्र राष्ट्र में अपने एकीकरण का मार्गदर्शन किया। देश की आजादी के पूर्व कांग्रेस पार्टी के तमाम बड़े नेता चाहते थे कि सरदार वल्लभभाई पटेल देश के पहले प्रधानमंत्री रूप में शपथ लें। लेकिन गांधी जी का मत और मन था कि पंडित जवाहरलाल नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लें । गांधी जी ने अपनी इस इच्छा को कांग्रेस के बड़े नेताओं सहित सरदार वल्लभभाई पटेल के समक्ष भी रख दिया था। वल्लभभाई पटेल एक दूरद्दष्टा राजनीतिज्ञ के तौर पर यह जानते थे कि पंडित नेहरू के प्रधानमंत्री बनने से देश किस मार्ग पर जाएगा। वे देश को एक नई ऊंचाई और पहचान देना चाहते थे। वे भारत के गौरवशाली इतिहास को फिर से स्थापित करना चाहते थे। उनके मन मस्तिष्क में एक नव आजाद भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कैसे बेहतर ढंग से स्थापित किया जाए ? एक स्पष्ट प्लान उनके मन मस्तिष्क में दौड़ रहा था। चूंकि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्वाधीनता संघर्ष के एक बड़े नेता के रूप में स्थापित थे। उनका संपूर्ण देश में बहुत नाम था। सरदार वल्लभभाई पटेल मन मार कर गांधी जी की बातों को मान लिया और जवाहरलाल नेहरू के प्रधानमंत्री बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया । यद्यपि अधिकांश प्रान्तीय कांग्रेस समितियाँ पटेल के पक्ष में थीं थी।

भारत की आजादी के लिए हिंदू और मुसलमान सहित देश के सभी धर्मिवलंबियों ने मिलकर संघर्ष किया था । लेकिन स्वाधीनता संघर्ष के अंतिम चरण में मुस्लिम लीग की स्थापना के राजनीतिक उद्देश्य को सरदार वल्लभभाई पटेल भली भांति जानते थे। मुस्लिम लीग सिर्फ और सिर्फ मुसलमानों के लिए एक अलग राष्ट्र चाहता था। सरदार वल्लभभाई पटेल मुस्लिम लीग की इस दुर्भावना को भली भांति जानते थे। प्रारंभ में उनका मत था कि भारत एक राष्ट्र के रूप में आजाद हो ना की दो राष्ट्र के रूप में। लेकिन दूसरी ओर मुस्लिम लीग के नेताओं के दुर्भावना और संप्रदायिक विचारों को देखकर सरदार वल्लभभाई पटेल दो राष्ट्र के सिद्धांत को मान लिया था। इस संबंध में सरदार पटेल ने कहा था कि 'जो अंग सड़ चुका है, उसे काट देना ही बेहतर होगा।'के देश की आजादी के बाद पंडित जवाहरलाल नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री बने। वहीं सरदार पटेल को उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री बने । देश को नई-नई आजादी मिली थी। उनके सामने अनगिनत चुनौतियां थी। ऊपर से पाकिस्तान के नेताओं की कूट राजनीति का भी सामना देश को करना पड़ रहा था। भारत का विभाजन बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। यह आंदोलन जितना अहिंसक था, उसकी आजादी उतनी ही रक्तपात से जुड़ चुकी थी। करोड़ों लोग इधर से उधर हो गए । दस लाख से अधिक जानें इस बंटवारे में चली गई थी। देश की आजादी के कुछ ही दिन बीते थे कि पाकिस्तान कश्मीर को हथियाना के लिए आक्रमण कर दिया। कश्मीर के महाराजा ने मदद के लिए भारत के प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से आग्रह किया । पंडित जवाहरलाल नेहरू की इस विषय पर ढुलमुल नीति थी। वे इस विषय पर निर्णय नहीं ले पा रहे थे । वे इतना बेपरवाह थे कि कश्मीर भारत के साथ रहे अथवा पाकिस्तान के साथ रहे, इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता है। लेकिन देश के पहले गृह मंत्री लोह पुरुष देश के मन को समझते हुए उन्होंने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में पूरजोर तरीके से भारतीय सेना को कश्मीर की ओर कूच करने का सिफारिश किया। मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों ने सरदार पटेल की सिफारिश पर अपना नैतिक समर्थन दिया। फलस्वरुप भारतीय सेना कश्मीर पहुंची और पाकिस्तानी जेहादियों का सफाया कर ही दम ली थी।

पाकिस्तान के साथ हुए इस युद्ध में भारत को बड़ी जीत हासिल हुई थी। लेकिन इसी दौरान भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से एक बड़ी राजनीतिक भूल हुई थी । वे इस मामले को लेकर यूएनओ चले गए। यूएनओ ने दोनों देशों से यथा स्थिति बनाए रखने का एक आदेश पारित कर दिया। भारत को जीत में मिली आजाद कश्मीर भी हाथ चली गई थी । इस राजनीतिक भूल के कारण आज आजाद कश्मीर भारत के लिए एक सिर दर्द बना हुआ है। आज आजाद कश्मीर के कारण ही हमारा कश्मीर अशांऐ रह रहा है । अब तक हजारों जाने कश्मीर को बचाने कुर्बान हो गई हैं। अगर नेहरू की जगह सरदार वल्लभभाई पटेल देश के पहले प्रधानमंत्री बनते तब वे कदापि यूएनओ नहीं जाते।

ध्यातव्य है कि नेहरू और सरदार पटेल एक ही कस्ती में सवार थे। लेकिन दोनों के बीच कभी भी मैत्री भाव नहीं बन पाया । इसका सबसे बड़ा कारण वैचारिक भिन्नता था। खासकर पाकिस्तान - भारत के संबंधों पर नेहरू के कुछ विचार रहते थे । वहीं सरदार पटेल के विचार कुछ और होते थे। इस बात को उस कालखंड के राजनीतिक विश्लेषकों ने प्रस्तुत किया था । कश्मीर जैसे संवेदनशील के मुद्दे पर नेहरू कभी भी गंभीर नहीं रहे। इसी का दंश आज भारत आतंकवाद के रूप में भुगतने को दिवस है। जबकि सरदार पटेल जो जैसा व्यवहार करें,उसके साथ उसी तरह व्यवहार करना चाहिए, इस नीति के प्रबल समर्थक थे। वे आजाद कश्मीर को पूरी तरह भारत में विलय के पक्षधर थे। इसके चलते कई अवसरों पर दोनो ने ही अपने पद का त्याग करने की धमकी दे दी थी।

गृह मंत्री के रूप में उनकी पहली प्राथमिकता देसी रियासतों को भारत में मिलाना था। इसको उन्होने बिना कोई खून बहाये सम्पादित कर दिखाया। केवल हैदराबाद रियासत के लिये उनको ऑपरेशन पोलो के तहत सेना भेजनी पडी। भारत के एकीकरण में उनके महान योगदान के लिये उन्हे भारत का लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है।

आज की बदली परिस्थिति में राष्ट्र की एकता और अखंडता का जो सिद्धांत लौह पुरुष वल्लभभाई पटेल ने दिया था। उसे संपूर्ण देशवासियों को आत्मसात करने की जरूरत है ।भारत अपनी पुरानी विरासत की ओर लौट रहा है। भारत के गौरवशाली इतिहास को वापस लाने में सरदार पटेल ने जो भूमिका अदा की थी, आज पुष्पित और पल्लवित होता दिख रहा है। भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश के रूप में नामित हो चुका है। भारत का बजट अमेरिका, रूस के बाद तीसरे नंबर पर आ चुका है । भारत निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। नेहरू के विरोध के बावजूद लौह पुरुष अपने निर्णय पर सदा अडिग रहे थे । इसीलिए आज सारा देश उन्हें लौह पुरुष के रूप में याद करता है।

विजय केसरी,

(कथाकार/ स्तंभकार)

पंच मंदिर चौक, हजारीबाग - 825 301,

मोबाइल नंबर :- 92347 995550.

आज का राशिफल

मेष राशि :

आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है।आज आप किसी व्यक्ति विशेष के बारे में सोच कर रोमांचित रहेंगे। आज आपको कुछ नए अनुभव मिल सकते हैं। आज आपके लिए घर का सदस्य कुछ खरीद सकता है जिसे पाकर आप आनंदित होंगे। आज वर्कस्पेस पर सीनियर्स और बॉस के द्वारा कुछ बताया जा रहा है तो उसे गंभीरता से लें और अपनी कमियों को जानकर उसे सुधारने का प्रयास करें। आज बिजनेस की प्रगति के लिए फाइनेंशियल प्लानिंग करेंगे। आज नौकरी करने वाले लोगों की अच्छी इनकम होगी। प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्याओं के लिए भागदौड़ के उपरांत काम बन जायेगा।

वृष राशि :

आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आस-पास के लोगों के लिए आपका व्यवहार अच्छा रहेगा, आपके अंदर नयी ऊर्जा का संचार होगा। आज आपको जो भी काम दीया जायेगा उसे आप अच्छे से करेंगे। बिजनेस में आपको मेहनत के अच्छे नतीजे हासिल होंगे। आज आपको अपने गुस्से पर कंट्रोल रखना होगा अन्यथा बना बनाया काम बिगड़ सकता है। परिवार के साथ आज मूवी देखने की प्लानिंग करेंगे। कान से जुड़ी समस्या के लिए आज किसी अच्छे डॉक्टर को दिखा सकते है।

मिथुन राशिः

आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। लोगों के मन में आपके प्रति सम्मान का भाव रहेगा यह देखकर आपको खुशी होगी। आज आप घर के कामों में अपनी मां की मदद करेंगे और भविष्य को लेकर आप बातचीत भी करेंगे। आज आप अपने कामों में जल्दबाजी दिखाने से बचेंगे तो आप समस्या से बच जायेंगे। आज आपका पुराना मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है जिसकी आप अपनी क्षमता के अनुसार मदद करेंगे। संतान को यदि आप नई जिम्मेदारी देंगे, तो भी वह उन पर खरा उतरेंगे।

कर्क राशि :

आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आप जानते हैं कि आपका काम मुश्किल नहीं है बस आपका हौसला कम हो गया है इसलिए आज किसी की सलाह मिलने से आपका हौसला बढ़ेगा और आप काम को बढिया तरीके से करेंगे। करियर में सुधार करने के लिए जिन बातों में बदलाव करना है, वह स्पष्ट रूप से जानने की कोशिश करें। आपके कामों की गति धीमी रहेगी, लेकिन मित्रों के साथ आपके संबंध बेहतर रहेंगे। इस राशि के बच्चों को उनके शिक्षकों से तारीफ मिलेगी। बड़े-बुजुर्ग अपने किसी बचपन के दोस्त से मिल सकते हैं।

सिंह राशि :

आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपके परिवार में आपसी प्रेम रहेगा। प्रोफेशनल लाइफ में मामले स्पष्ट रखें। व्यापारिक दृष्टिकोण से आज सब कुछ ठीक रहेगा। आपकी इनकम अच्छी रहेगी। आपके धन प्राप्ति के मार्ग में यदि कुछ बाधाएं आ रही थी, तो वह आज दूर होगी। आज परिवार का संपत्ति संबंधित विवाद सुलझ सकता है, जिसमें आपको वरिष्ठ सदस्यों की मदद भी मिलेगी। भाई व बहनों का सहयोग आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा और मां की किसी इच्छा की पूरी होने से आप खुश रहेंगे।

कन्या राशिः

आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपका जो उद्देश्य है, उससे जुड़े विचारों पर ध्यान देने की कोशिश करें। दुकानदारों के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा। दो गुना कमाई होने के योग बन रहे है। संगीत में रुझान वालों को आज इंडस्ट्री से गाने का ऑफर मिल सकता है। जिससे आपके मन को सुकून की प्राप्ति होगी। आज आपको संतान की संगति की ओर विशेष ध्यान देना होगा। आज आपकी किसी संपत्ति का सौदा हो सकता है। आज आपका किसी नए वाहन खरीदने का सपना पूरा होगा।

तुला राशि :

आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। परिवार में अपना उचित समय देना वातावरण को मधुर बनाकर रखेगा। प्रेम प्रसंगों में मुलाकात करने के अवसर बनेंगे। कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी स्टूडेंट्स को दौरान कठिन चुनौतियां मिल सकती है, जिसे वह अपनी मेहनत और सूझबूझ से पार करने में सफल रहेंगे। फैमिली की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खर्च और खरीदारी करते समय संतुलन बनाकर चलना होगा, बचत की ओर खासतौर पर ध्यान देना होगा। सेहत के मामले में सावधान रहें।

वृश्चिक राशि :

आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपनी योग्यता व प्रतिभा द्वारा किसी विषम परिस्थिति का सामना करने में सक्षम रहेंगे। स्वयं का विकास करने के लिए समय अनुसार अपने स्वभाव में थोड़ा स्वार्थी होना भी जरूरी है। विद्यार्थियों का पठन-पाठन में उचित समय व्यतीत होगा। आज भावुकता में लिए गए किसी निर्णय के लिए आपको पछतावा हो सकता है। लवमेट आज लॉन्ग ड्राइव पर जा सकते हैं रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी।

धनु राशि :

आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है लेकिन आपके द्वारा किया गया काम आपके बॉस को इम्प्रेस करेगा। रुपए-पैसों के मामले में लापरवाही नहीं करेंगे तो नुक्सान से बच जायेंगे। टूर-ट्रेवल्स और मीडिया संबंधी बिजनेस में नया मोड़ आ सकता है। आज आपको किसी करीबी से ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा। इस राशि के स्टूडेंट आज अपनी पढ़ाई में विशेष ध्यान देंगे जल्द ही आपकी सफलता के योग बन रहे हैं।

मकर राशि :

आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा आज बच्चे आपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगे और बात भी मानेंगे। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलेगा साथ ही आज बिजनेस में बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज का दिन आपके लिए किसी संपत्ति संबंधित मामले में जीत दिलाने वाला रहेगा। आपको शासन व सत्ता का पूरा लाभ मिलेगा और आपके प्रभाव व प्रताप में वृद्धि होने से आपको खुशी होगी। किसी करीबी पर भरोसा करने से आपको समस्या हो सकती है।

कुंभ राशि :

आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज दिन भर भागा-दौड़ी की स्थिति रहेगी। कुछ समय आध्यात्मिक गतिविधियों में भी व्यतीत करने से मानसिक सुकून मिलेगा। आर्थिक मामलों में बजट का खास ध्यान रखें, उधार लेने की स्थिति से बचें। आपको अपने व्यवसाय के कामों में कुछ कठिनाई तो होगी, लेकिन फिर भी आप पूरा करने की कोशिश में लगे रहेंगे। आज आप किसी समारोह में शामिल होंगे आपकी उपस्थिति को महत्व मिलेगा।

मीन राशि :

आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज घर में शुभ समाचार मिलने की सम्भावना होगी, साथ ही दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। धार्मिक कार्य में आपकी इच्छा बढ़ेगी, आज आप सत्संग करवा सकते हैं, घर में उत्सव का माहौल होगा। अगर आपका पैसा कहीं फसा है तो उसे हासिल करने के लिए आज अच्छा दिन है। स्पोर्ट्स से जुड़े लोग अपने कोच से कुछ नया सीखेंगे और अपना अच्छा परफॉरमेंस देंगे।

सू- दोकू क्र.203

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.202 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

शब्द सामर्थ्य -203

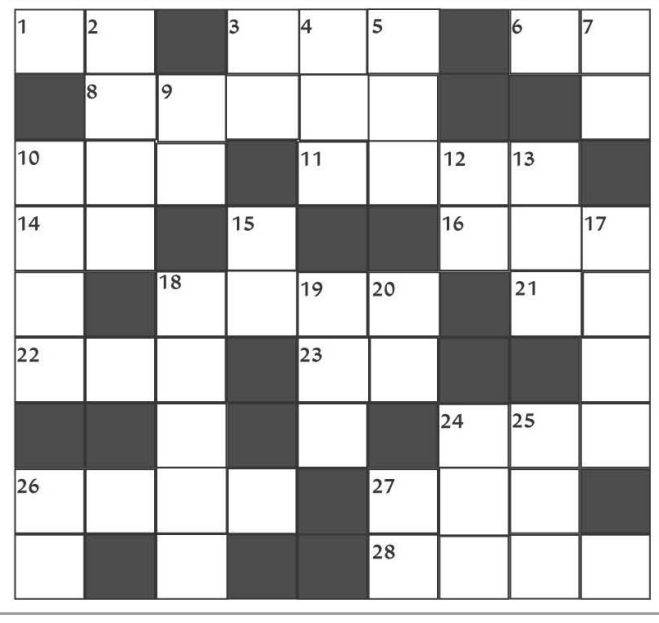
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 202 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

संक्षिप्त समाचार

पूर्व RTDC चेयरमैन राजीव अरोड़ा 'आओ मिलकर खुशियाँ बाँटें' कार्यक्रम में हुए शामिल

- जयपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का आयोजन, न्यायमूर्ति अनूप ढंड रहे मुख्य अतिथि



चमकता राजस्थान/जयपुर। राजस्थान पर्यटन विकास निगम (RTDC) के पूर्व चेयरमैन राजीव अरोड़ा आज जयपुर के बनीपार्क स्थित सतीश चंद्र सभागार, सेशन कोर्ट में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह 'आओ मिलकर खुशियाँ बाँटें' में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन राजस्थान एडवोकेट्स आर्ट, लिटरेचर एंड कल्चर एसोसिएशन, जयपुर की ओर से किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति श्री अनूप ढंड की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर अधिवक्ताओं सहित समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से कला, साहित्य और सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया गया। इस अवसर पर राजीव अरोड़ा ने अधिवक्ता वर्ग की सामाजिक भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि अधिवक्ता केवल न्यायिक व्यवस्था का प्रमुख स्तंभ ही नहीं हैं, बल्कि सामाजिक चेतना जागृत करने तथा साहित्य, कला और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में भी उनकी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि 'आओ मिलकर खुशियाँ बाँटें' जैसे आयोजन समाज में आपसी सद्भाव, सकारात्मकता और सामाजिक सहभागिता को प्रोत्साहित करते हैं। ऐसे कार्यक्रम लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने और समाज में खुशियाँ बाँटने का सार्थक संदेश देते हैं। राजीव अरोड़ा ने इस सराहनीय आयोजन के लिए एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सद्भावना के सिपाही संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष एडवोकेट अजय कुमार सक्सेना तथा महासचिव एडवोकेट मधु गुप्ता को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम ने कला, साहित्य, संस्कृति और सामाजिक सद्भाव के माध्यम से समाज में सकारात्मकता का संदेश दिया।

नव निर्वाचित सरपंच सुमन देवी ने किया पदभार ग्रहण



चमकता राजस्थान/रघुनंदन पारीक श्रीनगर अजमेर। ग्राम पंचायत कानाखेड़ी की नवनिर्वाचित 35 वर्षीय सरपंच सुमन देवी विधिवत पूजा-अर्चना के साथ अपने सरपंच पद का कार्यभार ग्रहण किया। इस शुभ अवसर पर पधारे सभी सम्माननीय बड़े-बुजुर्गों का माला साफा एवं शॉल पहनाकर सम्मान किया गया। साथ ही सभी उपसरपंच केसर सिंह सहित सभी वार्ड पंचों को माला साफा एवं शॉल पहनाकर तथा उपस्थित कार्यकर्ताओं का माला पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर सैकड़ों की संख्या में महिलाएँ, पुरुष, युवा, बुजुर्ग एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर खुशी का इजहार किया और मुंह मीठा करवाया। समाजसेवी जय सिंह रावत ने बताया कि हमें पूर्ण विश्वास है कि आने वाले पांच वर्षों में सरपंच सुमन देवी के नेतृत्व में ग्राम पंचायत कानाखेड़ी विकास, जनसेवा और आपसी भाईचारे की नई मिसाल कायम करेगी। सुमन देवी सभी ग्रामवासियों के सहयोग, विश्वास और आशीर्वाद से पंचायत के प्रत्येक गांव और प्रत्येक वार्ड के विकास के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प हैं इसी तरह से हुई विजय 194 मत मीले 1159 ओर सामने सरपंच प्रत्याशी रेशमा जोधावत को 965 सरोज देवी को 514 मत मिले।

रिफॉर्म उत्सव के तहत सहेड़ी ग्राम पंचायत के कांसौटी खेड़ा में स्कॉलरशिप एक्सेस कैंप आयोजित, 115 प्रतिभागियों ने लिया भाग



चमकता राजस्थान/धौलपुर संवाददाता। रामदास तरुण धौलपुर। पंचायत समिति बाड़ी की ग्राम पंचायत सहेड़ी के राजस्व ग्राम कांसौटी खेड़ा में शुक्रवार को रिफॉर्म उत्सव के तहत स्कॉलरशिप एक्सेस कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में अनुसूचित जनजाति (मीना) समुदाय के लगभग 115 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कैंप का उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना था। इस दौरान नवीन आधार नामांकन के 3 आवेदन, आधार में नाम अपडेट के 2 आवेदन, एमबीयू अपडेट के 2 आवेदन, बायोमैट्रिक अपडेट के 3 आवेदन, जाति प्रमाण पत्र के 2 आवेदन, मूल निवास प्रमाण पत्र के 2 आवेदन तथा जन आधार कार्ड में आय अपडेट का 1 आवेदन प्राप्त हुआ। इस प्रकार कैंप में कुल 15 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। इससे ग्रामीणों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिली और आवश्यक दस्तावेज संबंधी सेवाओं का लाभ गांव में ही प्राप्त हुआ। कैंप के माध्यम से ग्रामीणों को सरकारी सुविधाओं तक आसान पहुंच उपलब्ध कराने के साथ ही पात्र विद्यार्थियों एवं परिवारों को विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेज तैयार कराने में सहायता प्रदान की गई।

वोट बचाओ-देश बचाओ' धरने में अजमेर डेयरी से जुड़े हजारों किसान होंगे

महा-आंदोलन का शंखनाद: दिल्ली में गूंजेगा 'सरस बचाओ-अमूल भगाओ' का नारा

पशु आहार संकट से आक्रोशित हजारों किसान सरस डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी के नेतृत्व में आज करेंगे कूच

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक श्रीनगर/ अजमेर। आगामी 1 नवंबर को दिल्ली की सड़कों पर राजस्थान के किसानों और दुग्ध उत्पादकों का सैलाब उमड़ने वाला है। 'वोट बचाओ-देश बचाओ' महाधरने में अजमेर सरस डेयरी से जुड़े हजारों किसान अब आर-पार की लड़ाई का शंखनाद करेंगे। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में होने वाले इस ऐतिहासिक प्रदर्शन में शामिल होने के लिए, अजमेर डेयरी अध्यक्ष और कांग्रेस नेता रामचंद्र चौधरी की अगुवाई में आज (31 अक्टूबर) शाम हजारों अन्नदाता दिल्ली के लिए हुंकार भरते हुए कूच करेंगे।

» 'सरस बचाओ-अमूल भगाओ' की हुंकार

इस विशाल धरने में श्वेत क्रांति के प्रहरी किसान 'सरस बचाओ-अमूल भगाओ' का गगनभेदी उद्घोष करेंगे। यह प्रदर्शन राजस्थान की गौरवशाली सहकारी दुग्ध व्यवस्था को बचाने और बाहरी ब्रांड के अतिक्रमण को रोकने की एक निर्णायक जंग है।

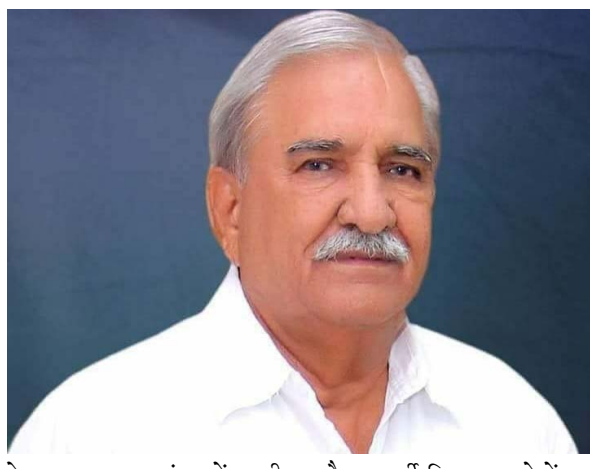
» प्रशासनिक अनदेखी की हद: RCDF ने मूंदी आंखें, छला गया किसान

इस उग्र आंदोलन का सबसे बड़ा कारण पशु आहार का वह भयंकर संकट है, जिसने किसानों की कमर तोड़ दी है। पिछले छह माह से पशुपालक दाने-दाने को मोहताज हैं। डेयरी संस्थाओं में पूरा अग्रिम भुगतान करने के बावजूद, उन्हें अपनी जरूरत का मात्र 20 से 25 प्रतिशत पशु आहार ही मिल पा रहा है। पशु आहार की आपूर्ति के लिए दुग्ध संघों और किसानों ने आरसीडीएफ (फ्छउक्ष्) से बार-बार संपर्क किया और लगातार गुहार लगाई, लेकिन वहां से कोई सुनवाई नहीं हुई। कुंभकर्णी नींद सो रहे आरसीडीएफ के इस अड़ियल और लापरवाह रवैये ने ही किसानों के सब्र का बांध तोड़ दिया है। इसी प्रशासनिक अनदेखी के चलते किसान अब एक उग्र विद्रोह के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

» आंदोलन के प्रमुख मुद्दे और आर-पार की मांगें:

दिल्ली कूच के दौरान पशु आहार की किल्लत और फ्छउक्ष्की लापरवाही

दिल्ली में वोट बचाओ- देश बचाओ धरने के बीच बुलन्द होगा सरस बचाओ अमूल भगाओ का उद्घोष, 01 नवंबर को दिल्ली में करेंगे धरना प्रदर्शन



के अलावा इन ज्वलंत मुद्दों पर भी सरकार को घेरा जाएगा: सरस का स्वाभिमान: राजस्थान में 'अमूल' जैसे बाहरी ब्रांड को जबरन थोपने की साजिश का कड़ा विरोध और प्रदेश के अपने 'सरस ब्रांड का हर हाल में संरक्षण।

संबत योजना में पारदर्शिता: मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत बांटी जा रही अनुदान राशि में हो रही भारी अनियमितताओं पर तत्काल रोक और पारदर्शी वितरण। करोड़ों का बकाया भुगतान: मिड-डे मील योजना के तहत लंबे समय से अटके हुए करोड़ों रुपयों का तुरंत प्रभाव से भुगतान।

» तकनीकी अधिकारियों सहित 3000 पद रिक्त : गर्त में जा रहा 'सरस' ब्रांड

आरसीडीएफ का कुप्रबंधन केवल पशु आहार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने पूरे डेयरी तंत्र को खोखला कर दिया है। वर्तमान में फ्छउक्ष्और प्रदेश के विभिन्न जिला संघों में तकनीकी अधिकारियों सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के लगभग 3000 पद खाली पड़े हैं। लंबे समय से एक भी नए कर्मचारी या अधिकारी की नियमित भर्ती नहीं की गई है और पूरा काम मात्र 20% स्थायी कर्मचारियों के कंधों पर बोझ डालकर घसीटा जा रहा है। तकनीकी अमले की भारी कमी और जानबूझकर बरती गई इस घोर प्रशासनिक लापरवाही के चलते सरस के दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता में भारी गिरावट आई है। यही लापरवाही कभी पूरे देश में प्रतिष्ठित रहे 'सरस' ब्रांड को अब पूर्ण अवनति की गर्त में धकेल रही है।

» डोटासरा के वादे की दिल्ली में होगी अग्निपरीक्षा

डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी ने स्पष्ट किया कि यह कूच पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा के उस आ''ान का नतीजा है, जो उन्होंने 23 अगस्त 2026 को अजमेर के कच्छावा गार्डन की जनसभा में किया था। डोटासरा ने किसानों को भरोसा दिलाया था कि यदि प्रदेश सरकार सरस के हितों कीअनदेखी कर अमूल को थोपती है, तो इसके खिलाफ दिल्ली में बड़ा धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। आज का यह दिल्ली कूच उसी वादे और आक्रामक रणनीति का सीधा परिणाम है।

» सहकारिता को बचाने की ऐतिहासिक क्रांति

इस महा-आंदोलन में विभिन्न दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के बीएमसी (बल्क मिल्क कूलर) सदस्य भी अपनी पूरी ताकत झोंकेंगे। पिछले 37 वर्षों से अजमेर डेयरी की कमान संभाल रहे और 2024 के लोकसभा प्रत्याशी रहे रामचंद्र चौधरी के नेतृत्व में यह कूच सिर्फ एक प्रदर्शन नहीं, बल्कि दुग्ध उत्पादकों के लोकतांत्रिक अधिकारों, उनके आर्थिक हितों और सहकारिता तंत्र को अफसरों की तानाशाही से मुक्त कराने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बनने जा रहा है।

23 साल के उज्जवल यादव ने उपसरपंच सहित 20 वार्ड पंचों के साथ किया पद भार ग्रहण

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक श्रीनगर अजमेर। ग्राम पंचायत श्रीनगर में बुधवार को नवनिर्वाचित सरपंच उज्ज्वल यादव ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सरपंच पद का कार्यभार ग्रहण किया। महज 23 वर्ष की उम्र में गांव की कमान संभालने वाले उज्ज्वल यादव के सामने अब ग्राम पंचायत के विकास को नई दिशा देने और ग्रामीणों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की चुनौती होगी। कार्यभार ग्रहण के अवसर पर उपसरपंच



कैलाशी देवी सहित 20 वार्ड पंच मौजूद रहे वार्ड नंबर राकेश माली ओमप्रकाश वैष्णव ,नाजिया बानो , अंजू गुर्जर ,अशोक उदय ,मंजू, प्रसाद पंकज हिनोनिया नंदू यादव, संतोष , मोना , कुलदीप यादव, वंदना यादव गौतम आचार्य, तारा ,शिवलाल ,गजानन सरदार सिंह ,नथी गुर्जर ,पिंकी गुर्जर ,जय सिंह रावत, । इस दौरान गांव के विकास, स्वच्छता और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

- सबका साथ, सबका विकास होगा मूल मंत्र

नवनिर्वाचित सरपंच उज्ज्वल यादव ने गांव के सर्वांगीण विकास को अपनी प्राथमिकता बताते हुए सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूल मंत्र पर काम करने का संकल्प लिया। उन्होंने पंचायत क्षेत्र के सभी वार्डों में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य करवाने और ग्रामीणों की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करने की दिशा में काम करने की बात कही। आपको बता दे की पूर्व में परिवार में दादा, भुआ और ताऊजी पूर्व सरपंच रामकरण यादव भाजपा के नेता माने जाते हैं पूर्व सरपंच यादव ने बताया कि किसी भी भेदभाव के विकास किया जाएगा सभी वार्ड में विकास होगा।

नगरपालिका परिसर में आयोजित बैठक सम्पन्न हुई



चमकता राजस्थान/धरियावद। नगरपालिका परिसर मे दिनांक 30अक्टूबर 2026 को शाम को बैठक हुई. जिसमे नगरपालिका अधिकारी ई ओ एव नगरपालिका चेयर मेन रेखा चौधरी उप चेयरमेन भुवन प्रताप सिंह राणावत कि उपस्थि मे बैठक शरू हुई जिसमे नगरपालिका पारसद सहित मिडिया कर्मी नगरपालिका स्टाप भी मौजूद रहे जिसमे में नगर की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान नगर में साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त करवाने, गली-मोहल्लों में नियमित सफाई, कचरा निस्तारण को लेकर पारसद चेयरमेन प्रतियाक्षी समाज सेवी हरिराम चौधरी ने मुदा उठाया तथा लंबे समय से बंद पड़े सीसीटीवी कैमरों को पुनः चालू करवाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई।जिसे पूर्व भा ज पा मंडल अध्यक्ष बाबु भाई विजयव्रगी ने वही बैठक मे आगामी त्योंहर दीपावली को देखते हुवे दो पहिये वाहन पर निकलने वाले चलती गाड़ी पर से पटाखे फेखना जिसकी मांग पारसद भूपेंद्र दमामी ने एवं पुष्कर डामोर ने बताया जहाँ लाईट पोल लगे वहा अभी तक चालू नहीं है अनील वक्तावत ने भी नगर कि लाईट के बारे मे ओर दिलीप पटवा ने मुख्य बस स्टेण्ड से पंचायत समिति तक रोड पर लगे लाईट पोल को व्यवस्थित करवाने कि मांग कि गई

वही बैठक में नगर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने पर भी जोर दिया गया। आमजन का कहना है कि नगर में लगे सीसीटीवी कैमरे चालू रहने से आपराधिक घटनाओं पर नजर रखने और आरोपियों की पहचान करने में पुलिस को मदद मिल सकती है।

अब देखना यह है कि बैठक में उठी जनहित की मांगों पर नगरपालिका प्रशासन कितनी जल्दी अमल करता है।... अधिकारी का कहना है हमारे अंबल मे आया है जल्द ही इसका निस्तारण करवाया जायेगा..

वोट चोरी के खिलाफ महा रैली में दिल्ली चलने को लेकर यूथ कांग्रेस की बैठक संपन्न

चमकता राजस्थान

(कुन्दन व्यास)। वोट चोरी के खिलाफ आयोजित होने वाली महा रैली में दिल्ली चलने की तैयारियों को लेकर यूथ कांग्रेस झालावाड़ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक जिला कांग्रेस अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह गुर्जर के मुख्य आतिथ्य एवं जिला अध्यक्ष यूथ कांग्रेस यशपाल सिंह परिहार की अध्यक्षता में



संपन्न हुई।बैठक में दिल्ली में होने वाली महा रैली को सफल बनाने और अधिक से अधिक युवाओं को दिल्ली ले जाने को लेकर रणनीति बनाई गई। वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए वोट चोरी के खिलाफ यह लड़ाई लड़ना जरूरी है।बैठक में झालावाड़ सभापति राजेश गुर्जर,जिला कांग्रेस महासचिव महेंद्र प्रताप सिंह झाला,प्रदेश महासचिव यूथ कांग्रेस वसीम खान,उप सभापति,डग विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह पंवार, जिला उपाध्यक्ष वी.वी.शर्मा, जिला महासचिव अदनान खान,ब्लॉक अध्यक्ष रहमान खान,जिला महासचिव आराम पठान,बद्री सिंह सहित यूथ कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दीपावली से पहले मिलावटखोरों पर खाद्य सुरक्षा दल का शिकंजा, 560 किलो संदिग्ध मावा नष्ट

चमकता राजस्थान

धौलपुर संवाददाता :रामदास तरुण धौलपुर दीपावली के त्योहार पर मिठाइयों और खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के बीच आमजन की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण श्री अविचल चतुर्वेदी तथा जिला कलक्टर श्रीनिधि बी.टी. के निर्देशानुसार जिलेभर में विशेष अभियान चलाकर संदिग्ध खाद्य पदार्थों की धरपकड़, निरीक्षण एवं नमूनीकरण की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस की सूचना पर खाद्य



सुरक्षा विभाग की टीम ने महाराणा स्कूल के पास एक टेंपो से 560 किलोग्राम संदिग्ध मावा बरामद कर उसे नष्ट करवाया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्म सिंह मीणा ने बताया कि शुक्रवार सुबह पुलिस टीम द्वारा सूचना दी गई कि महाराणा स्कूल के पास एक टेंपो को रुकवाया गया है, जिसमें दो व्यक्तियों का लगभग 560 किलोग्राम मावा रखा हुआ है, जिसे बिक्री के लिए बाहर ले जाया जा रहा था। सूचना मिलते ही खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मावे का निरीक्षण किया। मावा प्रथम दृष्टया मिलावटी एवं दूषित प्रतीत होने पर उसे डंपिंग यार्ड ले जाया गया, जहां पुलिस बल की मौजूदगी में लगभग 560 किलोग्राम मावे को नष्ट करवाया गया। इस कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी पदम सिंह परमार, गौरव परिहार, महावीर सिंह एवं रविंद्र मीणा शामिल रहे।

सीएमएचओ डॉ. मीणा ने बताया कि दीपावली के मद्देनजर दूध, मावा, पनीर, मिठाइयों एवं खाद्य तेलों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। विभागीय टीमें लगातार बाजारों एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर रही हैं। प्राप्त शिकायतों एवं सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध खाद्य पदार्थों की जांच एवं नमूनीकरण किया जा रहा है। उन्होंने खाद्य कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा मानकों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही आमजन से अपील की कि मिठाइयां एवं अन्य खाद्य सामग्री खरीदते समय उनकी गुणवत्ता और शुद्धता का विशेष ध्यान रखें तथा मिलावट की आशंका होने पर विभाग को सूचना दें। डॉ. मीणा ने कहा कि आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाना विभाग की प्राथमिकता है। अभियान के दौरान लिए गए नमूनों को जांच के लिए भेजा जा रहा है तथा जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। दीपावली तक यह विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि खाद्य पदार्थों में मिलावट कर आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

विभागीय सेवाओं में योगदान को मिली नई पहचान, राजकुमार मीना उप निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क पद पर पदोन्नत



चमकता राजस्थान/धौलपुर संवाददाता/रामदास तरुण धौलपुर,। राजस्थान जनसंपर्क सेवा के कुशल, अनुभवी एवं समर्पित वरिष्ठ अधिकारी राजकुमार मीना को उप निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क के पद पर पदोन्नत किया गया है। उनकी पदोन्नति से विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हर्ष का माहौल है।

बुधवार को विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मीना की पदोन्नति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सभी ने विश्वास जताया कि वे नई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा, कार्यकुशलता एवं दक्षता के साथ करते हुए विभागीय कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाएंगे तथा अपने अनुभव से नई उपलब्धियां हासिल करेंगे। मीना अपने सेवाकाल के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। उन्होंने पूर्व में बाड़मेर एवं बारां जिलों में सेवाएं देते हुए विभागीय योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार, मीडिया समन्वय तथा जनसंपर्क गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मीना अपनी कार्यकुशलता, प्रशासनिक दक्षता, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसरोकारों से जुड़े विषयों के प्रति समर्पण के लिए पहचाने जाते हैं। उनके अनुभव एवं कार्यशैली से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने तथा विभागीय गतिविधियों को प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला है। इस अवसर पर वरिष्ठ सहायक प्रदीप किशोर जोनवाल, सूचना सहायक आदित्य शर्मा, अंकित कुमार बंशीवाल, सुधांशु सक्सैना, सौरभ शर्मा, पवन गिरी, विकास प्रजापति एवं भोगीराम सहित विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सफल कार्यकाल की कामना की।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीनिधि बीटी ने पंचायत समिति सदस्य चुनाव के नामांकन कार्यक्रम के साथ कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश



चमकता राजस्थान/धौलपुर संवाददाता :रामदास तरुण धौलपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत पंचायत समिति सदस्य पदों के निर्वाचन को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी ने नाम निर्देशन का कार्यक्रम जारी किया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने तथा पर्याप्त पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीनिधि बीटी ने बताया कि पंचायत समिति सदस्यों के निर्वाचन के लिए चतुर्थ चरण का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इस चरण में बसेड़ी, सरमथुरा एवं राजाखेड़ा पंचायत समितियां शामिल हैं। चतुर्थ चरण का यह रहेगा निर्वाचन कार्यक्रम निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचन की लोक सूचना 31 अक्टूबर को जारी की जाएगी। नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 4 नवंबर को दोपहर 3 बजे तक निर्धारित की गई है। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 5 नवंबर को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगी। वहीं नाम वापसी की अंतिम तिथि 6 नवंबर को दोपहर 3 बजे तक रहेगी। नाम वापसी का समय समाप्त होने के तुरंत बाद चुनाव प्रतीकों का आवंटन तथा चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा।निर्धारित कार्यालयों में जमा होंगे नामांकन पत्र पंचायत समिति सदस्य पद के लिए नाम निर्देशन संबंधी कार्यवाही संबंधित रिटर्निंग अधिकारी (पंचायत) एवं उपखंड अधिकारी के कार्यालयों में संपन्न होगी। इसके अंतर्गत राजाखेड़ा एवं सरमथुरा के संबंधित कार्यालयों तथा तहसीलदार बसेड़ी के कार्यालय में नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जा सकेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीनिधि बीटी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं। नामांकन स्थलों पर कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस जाब्ता तैनात किया जाए, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

जिलाधिकारी ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुरावली स्थित PET परीक्षा केंद्र का किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक केंद्र पर सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात; बाहरी जनपदों से आने वाले अभ्यर्थियों के ठहरने, परिवहन एवं यातायात के लिए किए गए विशेष इंतजाम

चमकता राजस्थान

सुनील कुमार ब्यूरो चीफ हमीरपुर
हमीरपुर।जनपद में प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (ढएळ)-2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी श्री अशोक कुमार ने आज राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुछेछा स्थित परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों के लिए की गई व्यवस्थाओं, सुरक्षा इंतजामों तथा परीक्षा संचालन की प्रक्रिया का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में कुल 12 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में परीक्षा आयोजित की जा रही है। परीक्षा की शुचिता एवं निष्पक्षता बनाए रखने के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। इसके अतिरिक्त केंद्र व्यवस्थापक के साथ बा' सह-केंद्र व्यवस्थापक तथा कक्ष निरीक्षकों में आंतरिक एवं बा' निरीक्षकों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। सभी संबंधित अधिकारियों को अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता एवं सतर्कता के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए गए हैं। क्षेत्रीय उपजिलाधिकारियों को भी अपने-अपने क्षेत्रों में निरंतर भ्रमणशील रहकर परीक्षा व्यवस्था पर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।



जिलाधिकारी ने बताया कि अन्य जनपदों, विशेषकर प्रयागराज, बांदा एवं कौशांबी आदि से आने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ठहरने की समुचित व्यवस्था की गई है। होटल एवं सराय संचालकों को उचित एवं किफायती दरों पर कमरे उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही नगरपालिका परिषद सभागार, अंबेडकर पार्क एवं रैन बसेरों में भी अभ्यर्थियों के ठहरने की व्यवस्था की गई है, ताकि बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

अभ्यर्थियों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए स्थानीय ई-रिक्शा चालकों द्वारा रियायती दरों पर तथा कुछ स्थानों पर निःशुल्क परिवहन सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा बेतवा एवं यमुना पुल पर भारी वाहनों के कारण जाम की स्थिति उत्पन्न न होने देने के लिए एआरटीओ एवं पीटीओ की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अतिरिक्त एनएचएआई के माध्यम से क्रेन आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे किसी वाहन के खराब होने की स्थिति में उसे तत्काल हटाकर यातायात सुचारू रखा जा सके।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा के दौरान सभी व्यवस्थाएं निरंतर सक्रिय एवं व्यवस्थित रहें। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने, ठहरने एवं आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा परीक्षा पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराई जाए।

अमर जवान ज्योति से होगा दौड़ का शुभारंभ

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 'रन फॉर यूनिटी' को दिखाएंगे हरी झंडी

राष्ट्रीय एकता के संदेश के साथ आयोजित होगी रन फॉर यूनिटी

- **राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ का भी होगा वाचन**

चमकता राजस्थान

जयपुर। लौह पुरुष एवं देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं सामाजिक समरसता का संदेश देने के उद्देश्य से 31 अक्टूबर 2026 को जयपुर में 'रन फॉर यूनिटी' का भव्य आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड सहित अन्य अतिथि प्रातः 07:30 बजे अमर जवान ज्योति से हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना करेंगे।



इस आयोजन को लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग एवं अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद् प्रवीण गुप्ता की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें जयपुर कलक्टर संदेश नायक, एडीएम राजेन्द्र सिंह सिसोदिया सहित विभिन्न विभागो के अधिकारी मौजूद थें। कार्यक्रम के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजकेश मीणा ने बताया कि रन फोर यूनिटी दौड के अवसर पर आम जनों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की गई है। इस दौड में अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय स्तर के खिलाडियों सहित प्रशिक्षकगण, विभिन्न रनर्स क्लब, सामाजिक संघटनों के प्रतिनिधि, स्कूल कॉलेजो के छात्र-छात्राए भाग लेगीं।

उन्होने बताया कि रन फोर यूनिटी दौड अमर जवान ज्योति से प्रारम्भ होकर विधानसभा, नगर निगम, अर्जुन गेट, रामबाग सर्किल और अम्बेडकर सर्किल से होते हुए वापिस अमर जवान ज्योति पर सम्पन्न होगी।

रन फॉर यूनिटी के माध्यम से देश की एकता, अखंडता एवं आपसी भाईचारे का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण एवं देश के एकीकरण में दिए गए अतुलनीय योगदान को स्मरण किया जाएगा।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर 31 अक्टूबर को जनपद में आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

- **राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता दिवस के रूप में मनाई जाएगी जयंती, प्रभात फेरी, रैली, भाषण प्रतियोगिता, विचार गोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित होंगे विभिन्न आयोजन**

चमकता राजस्थान

सुनील कुमार ब्यूरो चीफ हमीरपुर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर, 2026 को राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता दिवस के रूप में मनाई जाएगी। इस अवसर पर जनपद में विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी श्री अरुण कुमार सिंह ने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान, अदम्य साहस, दूरदर्शिता तथा देश की एकता और अखंडता के प्रति उनके समर्पण से जनसामान्य एवं युवा पीढ़ी को परिचित कराने के उद्देश्य से पूरे दिन विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 8:00 बजे प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभात फेरी तथा माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा रैली निकाली जाएगी। प्रातः 9:00 बजे राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता दिवस पर जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा स्लोगन का सामूहिक संकलन किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त जिला संयुक्त चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरित किए जाएंगे तथा वृद्ध एवं कुष्ठ आश्रम में भोजन वितरण का कार्यक्रम आयोजित होगा। राजकीय इंटर कॉलेज, हमीरपुर में सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। वहीं डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सभागार, कलेक्ट्रेट में सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन पर विचार गोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं आयोजकों को निर्देशित किया है कि सभी कार्यक्रमों का आयोजन निर्धारित समय एवं स्थल पर सुव्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनपदवासियों, विद्यार्थियों, युवाओं एवं स्वयंसेवी संस्थाओं से भी अपील की है कि राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के इस महत्वपूर्ण अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर सहभागिता करें तथा सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें।

धरियावद रेंज अंतर्गत में किसान के खेत में घुसा अजगर, वन विभाग ने किया सफल रेस्क्यू



चमकता राजस्थान/धरियावद। कार्यालय क्षेत्रीय वन अधिकारी, रेंज धरियावद के अंतर्गत आज सुबह अजगर के खेत में घुसने से हड़कंप मच गया। वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से अजगर को सुरक्षित पकड़ कर जंगल में छोड़ दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 30 अक्टूबर 2026 को प्रातः राजकुमार मीणा निवासी पांचागुड़ा द्वारा प्रादेशिक रेंजर धरियावद के अधीन वनपाल नाका आसपुरा को सूचना दी गई कि श्री खेमला पिता भेरा मीणा निवासी पांचागुड़ा के खेत में एक बड़ा अजगर घुस गया है।सूचना मिलते ही नाका स्टाफ गोविन्द गवारिया वनरक्षक एवं सर्प मित्र गजेन्द्र सिंह सोलंकी तुरंत मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों के सहयोग से अजगर का सफल रेस्क्यू किया गया। बाद में उसे स्वच्छंद विचरण हेतु सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया। इस दौरान स्थानीय ग्रामीण अशोक , राजकुमार सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

डीग में खाद्य सुरक्षा टीम की कार्रवाई, 750 लीटर मूंगफली तेल किया सीज

- **चार प्रतिष्ठानों से रिफाइंड तेल और पनीर सहित चार नमूने लिए, गोदाम में गंदगी मिलने पर जारी किया सुधार नोटिस**



चमकता राजस्थान/अमर दीप सेन, डीग। राज्य सरकार की ओर से चलाए जा रहे 'शुद्ध आहारझमिलावट पर वार' दीपावली अभियान के तहत शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा टीम ने डीग में विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर कार्रवाई की। इस दौरान बाबा ट्रेडर्स से रिफाइंड मूंगफली तेल (गुलाब ब्रांड) का नमूना लेने के साथ मौके पर करीब 750 लीटर तेल सीज किया गया। इसके अलावा तिल्ली तेल का भी नमूना लिया गया। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त जयपुर, जिला कलेक्टर मयंक मनीष एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय सिंघल के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई के दौरान बाबा ट्रेडर्स के गोदाम में काफी गंदगी मिली। फर्श पर तेल जमा हुआ पाया गया। इस पर खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 के तहत प्रतिष्ठान संचालक को सुधार नोटिस जारी किया गया। टीम ने रोशन लाल एंड ब्रदर्स प्रतिष्ठान का भी निरीक्षण किया तथा वहां से रिफाइंड सोयाबीन तेल (चंबल ब्रांड) का नमूना लिया। वहीं, लोहा मंडी स्थित दीपक डेयरी से पनीर का नमूना संग्रहित किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेंद्र सिंह, चंद्रभान रजाना एवं अमित कुमार चतुर्वेदी की टीम ने कुल चार नमूने एकत्रित किए। सभी नमूनों को जांच के लिए जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला भरतपुर भेजा गया है। प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 के तहत नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा टीम ने स्पष्ट किया कि दीपावली के मद्देनजर निरीक्षण एवं नमूनीकरण अभियान लगातार जारी रहेगा। आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लखीसराय की कई सड़के हुई दलदल

चमकता राजस्थान/लखीसराय। विगत दो दिनों से हो रही बर्षा से लखीसराय जिले के कई मुख्य सड़के दलदल हो गई हैं सब्जी मंडी, स्टेशन रोड, लखीसराय -किउल रेल पुल के पास बना अस्थायी सड़क, बाजार समिति सहित जिले भर के दर्जनों जगहों का यही हाल है कुछ जगहों पर तो सरकारी विद्यालय पहुंचने के लिए स्कूली बच्चों को परेशानी हो रही है तो कहीं बाइक-र्स फिसलन के डर से बहुत ही धीरे-धीरे गाड़ी चला रहे हैं कुछ सड़कों की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि सवारी से भरी गाड़ियां कभी भी पलट सकती है। विशेष कर कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क किनारे लाइट की व्यवस्था नहीं रहने और दलदलयुक्त कीचड़ के कारण दुर्घटना होने का भय लगा रहता है।



श्रीगंगानगर रेलवे स्टेशन एवं खालसा पब्लिक स्कूल में 'वंदे मातरम्' के 150वें वर्ष पर सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित

चमकता राजस्थान

श्रीगंगानगर। श्री गुरु नानक खालसा पब्लिक स्कूल, श्रीगंगानगर के विद्यार्थियों ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में संस्कार भारती के तत्वावधान में आयोजित सामूहिक गायन कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर श्रीगंगानगर रेलवे स्टेशन तथा श्री गुरु नानक खालसा पब्लिक स्कूल परिसर में दो अलग-अलग स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन आयोजनों का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति, सांस्कृतिक चेतना तथा राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ करना था।



श्रीगंगानगर रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय की कक्षा 6 से 10 तक के लगभग 300 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने एक स्वर में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' का गायन कर वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। विद्यार्थियों की अनुशासित सहभागिता और उत्साह ने उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया तथा राष्ट्रीय गौरव का संदेश दिया। वहीं, श्री गुरु नानक खालसा पब्लिक स्कूल परिसर में कक्षा 1 से 5 तक के लगभग 500 विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत का गायन किया। नन्हे विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ इस कार्यक्रम में भाग लेकर मातृभूमि के प्रति सम्मान और प्रेम की भावना व्यक्त की। दोनों स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में विद्यालय के कुल लगभग 800 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रेखा सेठी चावला ने कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल एक राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता, सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय अस्मिता और मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को देश के गौरवशाली इतिहास से जोड़ने के साथ-साथ उनमें जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में देशभक्ति, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रीय एकता के संस्कार विकसित करना शिक्षा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। कार्यक्रम में विद्यालय के संगीत शिक्षक श्री भवदीप पाल सिंह का विशेष योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने सामूहिक गायन में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विद्यालय के शिक्षकों एवं अन्य सदस्यों ने भी आयोजन को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने संस्कार भारती के अध्यक्ष श्री उमेश बंसल, जिला अध्यक्ष श्री सुरेंद्र कछवाहा तथा प्रांत अध्यक्ष श्री निर्मल जैन के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। विद्यालय परिवार ने इस राष्ट्रप्रेम से जुड़ी सांस्कृतिक पहल के लिए उनके मार्गदर्शन, सहयोग और योगदान की सराहना की।

संक्षिप्त समाचार

संस्कार भारती रंगोली शिविर को महिलाओं का उत्स्फूर्त प्रतिसाद, पारंपरिक कला को बढ़ावा देने की पहल

- शिवशंभो फाउंडेशन की ओर से स्वातंत्र्यवीर सावरकर नगर में तीन दिवसीय रंगोली शिविर का आयोजन



चमकता राजस्थान/प्रतिनिधि : अरविंद कोठारी ठाणे : महिलाओं की कला, संस्कृति और पारंपरिक विरासत को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शिवशंभो फाउंडेशन की ओर से स्वातंत्र्यवीर सावरकर नगर, प्रभाग क्रमांक 14, तीन दिवसीय संस्कार भारती रंगोली शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर को क्षेत्र की महिलाओं का उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिला। आगामी दीपावली त्योहार के अवसर पर महिलाएं अपने घरों के सामने सुंदर और आकर्षक रंगोली बनाएं तथा भारतीय कला एवं संस्कृति की परंपरा को आगे बढ़ाएं, इसी उद्देश्य से शिवशंभो फाउंडेशन की अध्यक्षा सौ. भारती भोसले ने इस शिविर का आयोजन किया। शिविर के माध्यम से महिलाओं को संस्कार भारती रंगोली कला की जानकारी देने के साथ ही उनकी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने और कलागुणों को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया। इस दौरान महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रंगोली कला के प्रति अपनी रुचि दिखाई। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और उत्साहपूर्ण प्रतिसाद के चलते यह शिविर सफल रहा। आयोजकों ने शिविर में सहभागी सभी महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शिवशंभो फाउंडेशन की अध्यक्षा सौ. भारती भोसले ने कला और संस्कृति को संजोने तथा दीपावली जैसे त्योहारों पर पारंपरिक रंगोली के माध्यम से घर-आंगन को सजाने का संदेश दिया।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर राजगढ़ में लोकतर्न्त बचाओ अराजकता हटाओ कार्यक्रम सम्पन्न



चमकता राजस्थान/राजेश यादव/राजगढ़(धार)। श्री सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ को लेक र भाषण व निबंध प्रतियोगिता आयोजन सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता निलेश सोनी व समाजसेवी तेजकुमार जैन रहे।अध्यक्षता संस्था प्राचार्य बलरामजी कुमावत ने की।कार्यक्रम का संचालन रामकिशोर कुमावत ने किया।माँ सरस्वती व भारतमाता के चित्र पर पूजन व दिप्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।अतिथियों ने लोकतर्न्त अराजकता भीड़तंत्र व कॉकरोच पार्टी को लेकर अपने विचार व्यक्त किए वही बच्चों ने लोकतंत्र व वोट चोरी को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम व युवा पीढ़ी को भ्रमित करने को लेकर सुंदर विचार रखे।वही निबंध प्रतियोगता में भी विषय लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ को लेकर बालक व बालिकाओं ने विचार लिखे।प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बहिन गौरविना पलासिया कक्षा दशम एवं द्वितीय स्थान भैया दक्ष भाऊ कक्षा नवम ने प्राप्त किया।साथ ही भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कक्षा अष्टम से बहिन नविका मावी एवं द्वितीय स्थान कक्षा दशम से बहिन शिवानी शर्मा ने प्राप्त किया।विजेता को अतिथियों द्वारा शील्ड देकर पुरस्कृत किया गया।
32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जिला स्तर पर चयनित संस्था के भैया - चेतन मण्डलोई कक्षा अष्टम एवं विनय अजनार - कक्षा सप्तम को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।
कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री शिवराजसिंहजी की माताजी के देवलोक होने पर मौन रखा गया व भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

करवा चौथ पर चांद देखने आंगन में खड़ी विवाहिता पर वन्यजीव का हमला, गंभीर घायल



चमकता राजस्थान/राकेश अग्रवाल जिला संवाददाता सवाई माधोपुर। करवा चौथ की रात चांद देखने के लिए घर के आंगन में खड़ी एक विवाहिता पर वन्यजीव ने हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों एवं ग्रामीणों ने घायल महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया है। जानकारी के अनुसार घटना फलोदी रेंज के टोडरा गांव की है। बीती रात विवाहिता संध्या बैरवा करवा चौथ का चांद देखने के लिए घर के आंगन में खड़ी थी। इसी दौरान घात लगाकर बैठे वन्यजीव ने अचानक उस पर हमला कर दिया। महिला पर हमला होते ही आसपास मौजूद लोगों ने शोर-शराबा किया, जिसके बाद वन्यजीव मौके से भाग गया। हमले में संध्या बैरवा गंभीर रूप से घायल हो गई।
प्राथमिक तौर पर वन्यजीव के लेपर्ड (तेंदुआ) होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

इकलौते बेटे की मौत से मातम में बदला करवा चौथ, बुझ गया घर का चिराग

पिता को खाना देने जा रहा था मोहन, हाईवे पर डंपर की चपेट में आने से गई जान

चमकता राजस्थान



सुनील कुमार ब्यूरो चीफ हमीरपुर। करवा चौथ की शाम जिस घर में खुशियों और अपनों के साथ का माहौल होना चाहिए था, वहां इकलौते बेटे की मौत ने ऐसा मातम पसार दिया कि पूरा परिवार चीख-पुकार में डूब गया। पिता को खाना देने निकला मोहन प्रजापति खुद कभी घर नहीं लौट सका। बेटे की असामयिक मौत ने माता-पिता और बहनों को तोड़कर रख दिया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद जिला मुख्यालय में ही उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। परिजनों की करुण चीखें सुनकर वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं।
कस्बे के वार्ड संख्या 15 निवासी राजाबाबू प्रजापति का इकलौता पुत्र मोहन प्रजापति करवा चौथ की शाम बस स्टैंड के निकट हाईवे पर हुए सड़क हादसे का शिकार हो गया था। बाइक से जाते समय डंपर की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मां और बहनें बेसुध हो गईं। मां इलाज के सिलसिले में अपनी बहन के घर गई हुई थीं। बेटे की मौत की सूचना मिलते ही वह तत्काल कस्बे के लिए रवाना हो गईं।
परिजनों के मुताबिक, मोहन की बहनों की शादी हो चुकी है। मां के इलाज के लिए बाहर होने के कारण उसने खुद ही पिता के लिए खाना बनाया था। इसके बाद वह खाना लेकर पिता के पास जा रहा था। उसके पिता उद्योग नगरी में संचालित एचयूएल कंपनी में कर्मचारी हैं। इसी दौरान बस स्टैंड के पास हाईवे पर हुए हादसे ने परिवार की खुशियां हमेशा के लिए छीन लीं। जिस बेटे से परिवार को उम्मीदें थीं, उसकी अर्थी उठने से घर में कोहराम मच गया।
शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद जिला मुख्यालय में ही मोहन का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस दुखद घड़ी में सपा नेता रामप्रकाश प्रजापति पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना देकर ढांढस बंधाया। उन्होंने हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया।
थानाध्यक्ष पवन कुमार पटेल ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर अज्ञात डंपर चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

25 हजार रुपए का इनामी स्मैक तस्कर गिरफ्तार, 13.34 ग्राम स्मैक बरामद

कुण्डेरा पुलिस और जिला विशेष टीम की संयुक्त कार्रवाई, राजस्थान के कई जिलों में चल रहा था वांछित

चमकता राजस्थान



राकेश अग्रवाल जिला संवाददाता सवाई माधोपुर। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और खरीद-फरोख्त के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कुण्डेरा थाना पुलिस एवं जिला विशेष टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 हजार रुपए के इनामी स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 13.34 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की है।
पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशानुसार तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा अग्रवाल और वृत्ताधिकारी राजेन्द्र मीना के निकटतम सुपरविजन में 30 अक्टूबर 2026 को यह कार्रवाई की गई। संयुक्त पुलिस टीम ने जिला मुख्यालय के टॉप-10 अपराधियों में शामिल और राज्य स्तर पर चिन्हित अवैध मादक पदार्थों के तस्कर जसराम उर्फ झब्बू मीना (34) निवासी उलियाना, थाना कुण्डेरा को उलियाना मोड़ से गिरफ्तार किया।
पुलिस के अनुसार आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। जिला पुलिस अधीक्षक की ओर से उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी को मादक पदार्थों की तस्करी का मुख्य संचालक (किंगपिन) बताया गया है। वह सवाई माधोपुर के अलावा करौली, टोंक, कोटा सहित अन्य जिलों के मामलों में भी वांछित चल रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 एवं 29 के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। पुलिस अब आरोपी से मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क और अन्य संलिप्त लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

शहर की सफाई एवं रोशनी व्यवस्था होगी सुदृढ़, 300 अतिरिक्त संविदा सफाई कर्मचारी लगाए जाएंगे तथा नवीन वार्डों में 30 से 35 नई लाइटें लगेंगी

चमकता राजस्थान



ब्यावर। नगर परिषद ब्यावर द्वारा शहर की सफाई एवं रोशनी व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके तहत शहर के नवीन एवं पुराने वार्डों में अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध करवाकर आमजन को बेहतर मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

» 300 अतिरिक्त संविदा सफाई कर्मचारी होंगे तैनात

शहर की सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए कुल 300 अतिरिक्त संविदा सफाई कर्मचारी लगाए जाएंगे। इनमें नवीन वार्डों में 100 सफाई कर्मचारी तथा पुराने वार्डों में 200 सफाई कर्मचारी लगाए जाने की योजना है। नवीन वार्डों में प्रत्येक वार्ड में लगभग 8 सफाई कर्मचारी तथा पुराने वार्डों में आवश्यकता एवं कार्यक्षेत्र के अनुसार प्रत्येक वार्ड में 3 से 4 अतिरिक्त संविदा सफाई कर्मचारी लगाए जाएंगे। इससे वार्डों में नियमित सफाई, कचरा संग्रहण एवं स्वच्छता संबंधी कार्यों को गति मिलेगी।

» नवीन वार्डों में 30 से 35 तथा पुराने वार्डों में 10 से 15 नई लाइटें लगेंगी

इसी प्रकार शहर की रोशनी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नवीन वार्डों में 30 से 35 नई लाइटें तथा पुराने वार्डों में 10 से 15 नई लाइटें लगाई जाएंगी। इससे प्रमुख मार्गों, सार्वजनिक स्थानों एवं आवश्यकता वाले क्षेत्रों में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकेगी।
नगर परिषद का उद्देश्य शहर के प्रत्येक वार्ड में समान रूप से सफाई एवं रोशनी की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध करवाना तथा नागरिकों को स्वच्छ, सुंदर एवं सुव्यवस्थित शहर का वातावरण प्रदान करना है।

मुंगड़ा की बेटी आरती गौड़ का नेशनल क्रिकेट प्रतियोगिता में चयन, गांव में खुशी की लहर



चमकता राजस्थान/बालोतरा से राजेश कुमार । पश्चिमी राजस्थान के बालोतरा जिले के मुंगड़ा गांव की होनहार बेटी आरती गौड़ ने अपनी प्रतिभा के दम पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। आरती का चयन 70वीं राष्ट्रीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता (नेशनल स्कूल गेम्स) के अंतर्गत अंडर-17 बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए राजस्थान राज्य टीम में हुआ है।
जारी कार्यालय आदेश के अनुसार राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन जम्मू-कश्मीर में 15 नवंबर से 20 नवंबर 2026 तक प्रस्तावित है। प्रतियोगिता में भाग लेने से पहले चयनित खिलाड़ियों का 6 नवंबर से 12 नवंबर तक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। इसके बाद राजस्थान की टीम 13 नवंबर को प्रतियोगिता के लिए रवाना होगी।
आरती के राष्ट्रीय स्तर पर चयन की खबर से मुंगड़ा गांव सहित क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों, शिक्षकों और खेल प्रेमियों ने आरती को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नौसेना को मिलेंगे 40 हजार करोड़ के आठ अत्याधुनिक युद्धपोत, केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

» कोलकाता और गोवा के सरकारी पोत निर्माण केंद्रों में तैयार होंगे अगली पीढ़ी के युद्धपोत, 70 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का होगा इस्तेमाल; समुद्री सुरक्षा और युद्धक क्षमता को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्र सरकार ने भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक की महत्वपूर्ण रक्षा परियोजना को मंजूरी दी है। इसके तहत नौसेना के लिए आठ अगली पीढ़ी के आधुनिक युद्धपोत (कॉर्वेट) तैयार किए जाएंगे। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने इस परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है। इस समिति की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करते हैं। हाल के दिनों में उच्चस्तरीय मंजूरी प्राप्त करने वाली यह प्रमुख रक्षा परियोजनाओं में से एक है।
जानकारी के अनुसार, इन आठ युद्धपोतों का निर्माण दो सरकारी पोत निर्माण कंपनियां करेंगी। इनमें कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) शामिल हैं। दोनों कंपनियों के साथ युद्धपोत निर्माण के अनुबंध पर जल्द हस्ताक्षर होने की संभावना है। इसके बाद निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इस परियोजना से भारतीय नौसेना के सतही युद्धपोत बेड़े की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। इसके साथ ही देश में स्वदेशी युद्धपोत निर्माण उद्योग को भी बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इन युद्धपोतों में 70 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया जाएगा।
परियोजना के तहत तैयार होने वाले युद्धपोत लगभग दो हजार टन क्षमता के होंगे। इनकी अधिकतम गति करीब 30 नॉट यानी लगभग 55 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। इन्हें अत्याधुनिक तकनीक और नौसेना की आवश्यकताओं के अनुरूप विशेष रूप से विकसित किया जाएगा।
अगली पीढ़ी के कॉर्वेट छोटे आकार के तेज गति वाले युद्धपोत होते हैं, जो आधुनिक हथियारों और निगरानी प्रणालियों से लैस रहते हैं। इनका इस्तेमाल मुख्य रूप से तटीय सुरक्षा, समुद्री गश्त और निगरानी के लिए किया जाता है। आकार में ये फ्रिगेट और विध्वंसक युद्धपोतों से छोटे होते हैं, लेकिन इनमें कई प्रकार के आधुनिक हथियार और संवेदक प्रणाली लगाने की क्षमता होती है।

दिवा में फेरीवालों पर कार्रवाई के दौरान पत्थरबाजी के बाद मनसे आई सहायक आयुक्त के समर्थन में; कार्रवाई जारी रखने की मांग

मनसे ने वार्ड अधिकारी को सौंपा समर्थन पत्र, कहा—अनधिकृत फेरीवालों पर कार्रवाई बिना किसी दबाव के जारी रखे प्रशासन

चमकता राजस्थान



प्रतिनिधि : अरविंद कोठारी दिवा : दिवा शहर में अनधिकृत फेरीवालों के खिलाफ अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान हुई पत्थरबाजी की घटना के बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) दिवा शहर ने प्रशासन और सहायक आयुक्त डॉ. प्रवीणकुमार फड के समर्थन में अपनी भूमिका स्पष्ट की है। मनसे के पदाधिकारियों ने वार्ड अधिकारी से मुलाकात कर सहायक आयुक्त द्वारा की जा रही अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के समर्थन में पत्र सौंपा। दिवा शहर में सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थानों पर हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इसी दौरान कार्रवाई से नाराज फेरीवालों द्वारा कथित तौर पर पत्थरबाजी किए जाने और सहायक आयुक्त डॉ. प्रवीणकुमार फड पर हमले की घटना सामने आई। इस घटना के बाद मनसे ने प्रशासन के समर्थन में आगे आते हुए अनधिकृत फेरीवालों के खिलाफ कार्रवाई को लगातार जारी रखने की मांग की।
मनसे पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अतिक्रमण के खिलाफ शुरू की गई कार्रवाई किसी भी दबाव में रोकी नहीं जानी चाहिए। दिवा के नागरिकों को सड़कों और फुटपाथों पर निर्बाध आवागमन का अधिकार है तथा सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमणमुक्त रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है।
मनसे ने यह भी आश्वासन दिया कि यदि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान प्रशासन को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के सहयोग की आवश्यकता पड़ती है, तो पार्टी प्रशासन के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी।
मनसे की इस भूमिका से दिवा में अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई को लेकर राजनीतिक समर्थन सामने आया है। पार्टी ने प्रशासन से बिना किसी दबाव और भय के कानून के अनुसार कार्रवाई जारी रखने की मांग की है।

प्रसिद्ध कृष्णा न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से बाहर

सिराज और नीतीश रेड्डी को लेकर भी बड़ी खबर



मुंबई/एजेंसी।

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 नवंबर से शुरू हो रही 5 वनडे मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। वह बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं। प्रसिद्ध को गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे के दौरान चोट लगी थी और न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर ही निर्भर था। बीसीसीआई ने शुक्रवार को बताया कि कृष्णा न्यूजीलैंड ए के खिलाफ आखिरी चार दिवसीय मैच के लिए इंडिया 'ए' टीम में शामिल होंगे। हालांकि, उनका खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर होगा। बोर्ड ने अपने बयान में कहा, दाएं हाथ के पेसर, जो हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं, उन्हें मैचों के लिए तैयार होने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता होगी। प्रसिद्ध न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे और आखिरी चार-दिन के मैच के लिए इंडिया ए टीम में शामिल होंगे। बशर्ते, वह रिटर्न टू प्ले (आरटीपी) जांच पास कर लें। इससे उन्हें मैच अभ्यास करने और दो-टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारी का मौका मिलेगा।

ऑल-राउंडर नीतीश कुमार रेड्डी, जिन्हें पहले पूरी वनडे सीरीज के लिए चुना गया था, अब सिर्फ पहले वनडे में खेलेंगे और फिर 6 नवंबर से शुरू होने वाले तीसरे अनाधिकारिक टेस्ट के लिए ए टीम से जुड़ेंगे।

बोर्ड ने कहा, नीतीश कुमार रेड्डी 4 नवंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले पहले वनडे के लिए उपलब्ध होंगे। इसके बाद वह न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे और आखिरी चार-दिवसीय मैच के लिए इंडिया ए टीम से जुड़ेंगे।

इस फैसले से नीतीश को 19 नवंबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले मैच अभ्यास का मौका मिलेगा।

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 31 अक्टूबर से क्राइस्टचर्च में हेगले ओवल में न्यूजीलैंड ए के खिलाफ होने वाले दूसरे चार-दिवसीय मैच के लिए इंडिया ए टीम से जुड़ेंगे।

न्यूजीलैंड ए के खिलाफ दूसरे चार दिन के मैच के लिए इंडिया ए की अपडेटेड टीमः यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, यश राठौड़, आर. स्मरण, ध्रुव जुरेल (कप्तान/विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, शिखर मोहन, मुकेश चौधरी, मुकेश कुमार, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर)।

पहले तीन वनडे मैचों के लिए भारत की अपडेटेड टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी (सिर्फ पहले वनडे के लिए)।

चौथे और पांचवें वनडे के लिए भारत की टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर/उपकप्तान), अक्षर पटेल, नमन धीर, औकिब नबी, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर, कुलदीप यादव।

मुंबई इंडियंस ने कोचिंग सेटअप को दिया नया लुक

पोलार्ड के बाद उथप्पा, मैक्लेनेघन, दिलीप और कुलकर्णी की एंट्री

मुंबई/एजेंसी।

मुंबई इंडियंस (एमआई) ने शुक्रवार को आईपीएल 2027 के लिए रॉबिन उथप्पा को बैटिंग कोच, मिशेल मैक्लेनेघन को गेंदबाजी कोच, टी. दिलीप को फील्डिंग कोच और धवल कुलकर्णी को डेवलपमेंट गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। रॉबिन उथप्पा, मिशेल मैक्लेनेघन और धवल कुलकर्णी पूर्व में मुंबई इंडियंस के लिए लंबे समय तक खेल चुके हैं। मिशेल मैक्लेनेघन का गेंदबाजी कोच के रूप में स्वागत करते हुए एमआई ने एक्स पर लिखा, हमें मिच वापस मिल गया। एक फैन फेवरेट जिसने अपनी एमआई का बैज पहना और एमआई स्पिरिट को दिखाया। घर में स्वागत है, मिशेल मैक्लेनाघन। न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिशेल मैक्लेनेघन ने 2015 से 2019 तक 56 मैच खेले, जिसमें 71 विकेट हासिल किए। इस दौरान एमआई 2015, 2017 और 2019 में विजेता रही थी। एमआई ने भारतीय टीम के पूर्व फील्डिंग कोच टी. दिलीप को अपना फील्डिंग कोच बनाया है। टी. दिलीप भारत के सफलतम फील्डिंग कोच रहे हैं।

दिलीप का स्वागत करते हुए एमआई ने एक्स पर लिखा, भारत के साथ तीन आईसीसी खिताब से लेकर मेडल सेरेमनी के यादगार पलों तक, टी. दिलीप ने अपनी ऊर्जा और पैशन से फैंस का दिल जीता है। अब, वह हमारे फील्डिंग कोच के तौर पर पलटन में भी वही जोश लाते हैं। एमआई ने पूर्व तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी को डेवलपमेंट गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। एक्स पर कुलकर्णी का स्वागत करते हुए एमआई ने लिखा, मुंबई के अपने, घरेलू टीम के दिग्गज, और अब हमारे डेवलपमेंट बॉलिंग कोच। वापसी पर स्वागत है, धवल कुलकर्णी। धवल कुलकर्णी 2007 से 2013 और 2020 से 2021 तक एमआई का हिस्सा रह चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 35 मैचों में 36 विकेट लिए। इसके अलावा, वह गुजरात लायंस और राजस्थान रॉयल्स के लिए भी खेल चुके हैं। एमआई ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा को अपना बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। वह 2007 में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे हैं। रॉबिन ने 2008 में अपने आईपीएल करियर का आगाज एमआई से ही किया था। वह आईपीएल के सफलतम बल्लेबाजों में से एक हैं। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकआर) को 2014 में चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले रॉबिन 2021 में लीग जीतने वाली चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के सदस्य रहे थे।

रॉबिन उथप्पा बने मुंबई इंडियंस के बैटिंग कोच, फ्रेंचाइजी ने दी जानकारी

मुंबई/एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब पांच बार जीत चुकी मुंबई इंडियंस (एमआई) ने रॉबिन उथप्पा को आईपीएल 2027 से पहले अपना बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। एमआई ने अपने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। एमआई ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर रॉबिन उथप्पा का स्वागत करते हुए लिखा, हमारे पहले सीजन का हिस्सा बनने से लेकर ढेर सारे अनुभव के साथ लौटने तक। रॉबी खेल की गहरी समझ, बेहतरीन संवाद और युवाओं का मार्गदर्शन करने में स्पष्टता लाते हैं। पलटन में आपका स्वागत है, रॉबिन। आपका नया बैटिंग कोच। 11 नवंबर को 41 साल के होने जा रहे रॉबिन उथप्पा ने भारत के लिए 46 वनडे और 13



टी20 मैच खेले हैं। उथप्पा 2007 में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे हैं।

रॉबिन के पास आईपीएल का लंबा अनुभव है और वह लीग के सफल बल्लेबाजों में से एक रहे हैं। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकआर) को 2014 में चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले रॉबिन 2021 में लीग जीतने वाली चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के सदस्य रहे थे।

2008 से 2022 के बीच रॉबिन उथप्पा ने मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पुणे वॉरियर्स इंडिया, केकेआर, राजस्थान रॉयल्स और सीएसके के लिए खेले हैं। कुल 205 मैचों की 197 पारियों में इस आक्रामक बल्लेबाज ने 27 अर्धशतक लगाते हुए 4,952 रन बनाए थे।

रॉबिन ने बेशक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल को अलविदा कह दिया है, लेकिन टी10 लीग में वे अब भी सक्रिय हैं। उनकी बल्लेबाजी का अंदाज बेहद आक्रामक रहा है। एमआई पिछले कुछ सीजन में अपनी बल्लेबाजी की कमियों से जूझ रही है। ऐसे में रॉबिन, जो की आईपीएल का व्यापक अनुभव रखते हैं, एमआई की बल्लेबाजी में गहराई और आक्रामकता लाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

भारत के एफटीए से वैश्विक जीडीपी के 76 प्रतिशत बाजार तक पहुंच, निर्यात को मिलेगा बड़ा बढ़ावा : पीयूष गोयल



नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के कारण देश को अब लगभग 115 ट्रिलियन डॉलर की वैश्विक अर्थव्यवस्था के 76 प्रतिशत हिस्से तक वरीयता प्राप्त बाजार पहुंच मिल रही है। उन्होंने बताया कि भारत वर्तमान में आठ अन्य द्विपक्षीय और बहुपक्षीय व्यापार समझौतों पर भी बातचीत कर रहा है, जिनके जुड़ने से लगभग 15 ट्रिलियन डॉलर की अतिरिक्त वैश्विक अर्थव्यवस्था तक पहुंच मिल सकती है।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित इनवेस्ट तेलंगाना ग्लोबल समिट के कर्टेन रेजर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोयल ने ए. रेवंत रेड्डी को बधाई देते हुए कहा कि तेलंगाना का 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य सामूहिक प्रयासों से हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, राज्य सरकार, उद्योग जगत, निवेशकों और नागरिकों की साझी भागीदारी इस लक्ष्य को साकार कर सकती है।

गोयल ने बताया कि भारत के मौजूदा व्यापार समझौतों ने देश को 70 ट्रिलियन डॉलर की वैश्विक जीडीपी वाले बाजारों तक वरीयता प्राप्त पहुंच प्रदान की है। इनमें से लगभग 10 ट्रिलियन डॉलर की पहुंच पुराने समझौतों से मिली, जबकि हाल के वर्षों में संपन्न नौ नए व्यापार समझौतों के जरिए 60 ट्रिलियन डॉलर की अतिरिक्त बाजार पहुंच प्राप्त हुई है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने दुनिया में व्यापार वृद्धि दर केवल 1.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। इसके बावजूद भारत ने चालू वर्ष में 15 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1 ट्रिलियन डॉलर के निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने बताया कि यह लक्ष्य भारतीय निर्यातकों, उद्योग संगठनों और व्यावसायिक समुदाय के आत्मविश्वास को दर्शाता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए गोयल ने कहा कि एक दशक पहले फ्रेगाइल फाइव देशों में गिने जाने वाला भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष देश की विकास दर 7.7 प्रतिशत रही थी, जबकि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई। उन्होंने उम्मीद जताई कि सितंबर तिमाही में भी आर्थिक वृद्धि 7 प्रतिशत से ऊपर रहेगी।

तेलंगाना के ऐतिहासिक व्यापारिक महत्व का उल्लेख करते हुए गोयल ने 1244 में काकतीय शासक गणपति देव द्वारा जारी समुद्री व्यापार चार्टर मोटुपल्ली अभय शासना का जिक्र किया।

दिवाली से पहले सोने-चांदी की कीमतें धड़ाम, गोल्ड 0.59 प्रतिशत टूटा तो सिल्वर 3,700 रुपए गिरी

नई दिल्ली/एजेंसी।

त्योहारी सीजन के बीच सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट का सिलसिला लगातार जारी है। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में कीमती धातुओं पर दबाव देखने को मिला। अमेरिका में महंगाई के अपेक्षा से अधिक रहने, फेडरल रिजर्व के दिसंबर में ब्याज दर बढ़ाने की संभावनाओं और ऊंची बॉन्ड यील्ड के चलते एमसीएक्स पर गोल्ड और सिल्वर में 3,000 रुपए तक की गिरावट दर्ज की गई। इसका फायदा फिलहाल धनतेरस और दिवाली से पहले खरीदारी की तैयारी कर रहे उपभोक्ताओं को मिल रहा है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में सोना करीब 0.28 प्रतिशत गिरकर 4,020 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा, जबकि चांदी 1.20 प्रतिशत टूटकर 51.750 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी कोर पीसीई महंगाई सितंबर में 0.3



प्रतिशत बढ़ी, जबकि वार्षिक दर 3.1 प्रतिशत पर पहुंच गई। इसके साथ ही तीसरी तिमाही में अमेरिकी अर्थव्यवस्था की 3.4 प्रतिशत वृद्धि ने यह संकेत दिया है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा रख सकता है। बाजार अब दिसंबर में फेड की ओर से दर बढ़ोतरी की संभावना 80 प्रतिशत से अधिक मान रहा है, जिससे गैर-ब्याज देने वाली संपत्तियों जैसे सोने पर दबाव बना हुआ है।

वहीं, वैश्विक कमजोरी का असर भारतीय बाजार पर भी दिखाई दिया। घरेलू बाजार में सोना गिरकर 1.42 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 1.86 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास कारोबार करती दिखाई दी।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना अपने पिछले बंद भाव 1,42,596 से 800 रुपए से ज्यादा या 0.59 प्रतिशत टूटकर 1,41,753 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। वहीं चांदी में और बड़ी गिरावट दर्ज की गई और यह अपने पिछले बंद भाव 1,89,453 रुपए से 3,730 रुपए या 1.96 प्रतिशत गिरकर 1,85,723 रुपए प्रति किलोग्राम के दिन के निचले स्तर पर आ गया।

तकनीकी विश्लेषकों के मुताबिक सोना फिलहाल 1.40 लाख रुपए से 1.41 लाख रुपए के महत्वपूर्ण सपोर्ट जोन के करीब है। यदि यह स्तर टूटता है तो कीमतें 1.37 लाख रुपए से 1.38 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक फिसल सकती हैं। वहीं चांदी के लिए 1.83 लाख रुपए से 1.85 लाख रुपए प्रति किलोग्राम अगला प्रमुख सपोर्ट माना जा रहा है।

लगातार गिरावट के बाद चांदी अब अपने लाइफ टाइम हाई लेवल से आधे से भी कम भाव पर आ गई है। बता दें कि इस वर्ष जनवरी के आखिरी सप्ताह में सिल्वर ने सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए 4 लाख रुपए का ऐतिहासिक स्तर पार किया था और 4,20,048 रुपए का हाई लेवल टच किया था, लेकिन इसके बाद इसमें लगातार गिरावट आई, और अब चांदी अपने उच्चतम स्तर से आधे से बी कम कीमत पर मिल रही है।

यही वजह है कि बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि के निवेशकों और त्योहारी खरीदारी करने वाले उपभोक्ताओं के लिए मौजूदा स्तर आकर्षक हो सकते हैं। हालांकि अल्पकाल में फेडरल रिजर्व की नीति, डॉलर इंडेक्स, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और कच्चे तेल की कीमतें बाजार की दिशा तय करेंगी।

इस बीच कच्चे तेल की कीमतें भी चर्चा में हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, ईरान से जुड़े घटनाक्रम और आपूर्ति बाधित होने की आशंकाओं के चलते तेल बाजार में अस्थिरता बनी हुई है। ऊंचे तेल दाम महंगाई को बढ़ा सकते हैं, जिससे केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कटौती टाल सकते हैं। यही कारण है कि निवेशक सोने-चांदी में फिलहाल सतर्क बने हुए हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, अब सबकी नजरें फेड की 8-9 दिसंबर की बैठक और महंगाई तथा रोजगार से जुड़े अगले आंकड़ों पर टिकी हैं। अगर आने वाले आंकड़े कमजोर रहते हैं और ब्याज दरें बढ़ने की उम्मीदें कम होती हैं, तो सोने और चांदी में रिकवरी आ सकती है। वहीं, अगर आंकड़े मजबूत (महंगाई बढ़ाने वाले) आते हैं, तो नुकसान और बढ़ सकता है, जिसमें चांदी के सोने की तुलना में तेजी से गिरने की आशंका है।

यूरोपीय सेंट्रल बैंक की अध्यक्ष क्रिस्टीन लेगार्ड ने दिया इस्तीफा, 7 फरवरी 2027 को छोड़ेंगी पद

नई दिल्ली/एजेंसी

यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) की अध्यक्ष क्रिस्टीन लेगार्ड ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। वह 7 फरवरी 2027 को पद छोड़ देंगी। उन्होंने इस फैसले की जानकारी बैंक की गवर्निंग काउंसिल और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा को दी। बैंक की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, लेगार्ड के उत्तराधिकारी की नियुक्ति यूरोपीय परिषद करेगी। इसके लिए यूरोपीय संघ के कामकाज पर संधि के अनुच्छेद 283 में निर्धारित प्रक्रिया के तहत नामांकन किया जाएगा। बयान में कहा गया कि गवर्निंग काउंसिल ने लेगार्ड के योगदान के लिए उनका आभार जताया और उन्हें लंबे समय तक खड़े होकर सम्मान दिया।

सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो संदेश में लेगार्ड ने कहा, मैं इस संस्थान को इस संतोष के साथ छोड़ रही हूं कि मैंने अच्छा काम किया है और यूरोपीय सेंट्रल बैंक भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार है। लेगार्ड अपने निर्धारित कार्यकाल की समाप्ति से करीब सात महीने पहले पद छोड़ रही हैं। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने कहा कि उनके उत्तराधिकारी की तलाश की प्रक्रिया तत्काल शुरू की जाएगी।

ईसीबी में अन्य शीर्ष पदों पर होने वाली नियुक्तियों के साथ ही नए अध्यक्ष की नियुक्ति किए जाने की संभावना है। इनमें कार्यकारी बोर्ड की सदस्य इसाबेल श्नाबेल का पद भी शामिल है, जो जनवरी की शुरुआत में पद छोड़ेंगी। वहीं, बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री फिलिप लेन मई में अपना पद छोड़ने वाले हैं। नीदरलैंड के पूर्व केंद्रीय बैंक गवर्नर क्लास नॉट और स्पेन के पूर्व केंद्रीय बैंक गवर्नर पाब्लो हर्नांडेज डी कोस को ईसीबी के शीर्ष पद के लिए प्रमुख दावेदारों के रूप में देखा जा रहा है।

लेगार्ड का इस्तीफा ऐसे समय में आया है, जब उनके गृह देश फ्रांस में चुनाव होने वाले हैं। उन्होंने पहले ही स्पष्ट किया है कि वह फ्रांस के राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार नहीं बनेंगी। हालांकि, उन्होंने कहा था कि वह फ्रांस में यूरोपीय समर्थक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए अपनी ओर से सबसे प्रभावी भूमिका निभाएंगी।

मंदिरों का शहर हम्पी

यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में शामिल हम्पी भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। 2002 में भारत सरकार ने इसे प्रमुख पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। हम्पी में स्थित दर्शनीय स्थलों में सम्मिलित हैं- विरूपाक्ष मन्दिर, रघुनाथ मन्दिर, नरसिम्हा मन्दिर, सुग्रीव गुफा, विठाला मन्दिर, कृष्ण मन्दिर, हजारा राम मन्दिर, कमल महल तथा महानवमी डिब्बा आदि। हम्पी से 6 किलोमीटर दूर तुंगभद्रा बांध स्थित है। कहा जाता है कि हम्पी के हर पत्थर में कहानी बसी है। यहां दो पत्थर त्रिकोण आकार में जुड़े हुए हैं। दोनों देखने में एक जैसे ही हैं, इसलिए इन्हें सिस्टर स्टोंस कहा जाता है। इसके पीछे भी एक कहानी प्रचलित है। दो ईर्ष्यालु बहनें हम्पी घूमने आईं, वे हम्पी की बुराई करने लगीं। शहर की देवी ने जब यह सुना तो उन दोनों बहनों को पत्थर में तब्दील कर दिया।



हम्पी इसी नदी के किनारे बसा हुआ है। पौराणिक ग्रंथ रामायण में भी हम्पी का उल्लेख वानर राज्य किष्किन्धा की राजधानी के तौर पर किया गया है। शायद यही वजह है कि यहां कई बंदर हैं। हम्पी से पहले एनेगुंदी विजयनगर की राजधानी हुआ करती थी। दरअसल यह गांव है, जो विकास की रफ्तार में काफी पिछड़ा हुआ है। यहां के निवासियों को बिल्कुल नहीं पता कि सदियों पहले यह जगह कैसी हुआ करती थी। नव वृंदावन मंदिर तक पहुंचने के लिए नाव के जरिए नदी पार करनी पड़ती है, जिसे कन्नड़ में टेप्पा कहा जाता है। यहां के लोगों का विश्वास है कि नव वृंदावन मंदिर के पत्थरों में जान है, इसलिए लोगों को इन्हें छूने की इजाजत नहीं है।।

स्थापत्य कला

विजयनगर के शासकों ने मंत्रणागृहों, सार्वजनिक कार्यालयों, सिंचाई के साधनों, देवालयों तथा प्रासादों के निर्माण में बहुत उत्साह दिखाया। विदेशी यात्री नूनीज ने नगर के अन्दर सिंचाई की अद्भुत व्यवस्था और विशाल जलाशयों का वर्णन किया है। राजकीय परकोटे के अंतर्गत अनेक प्रासाद, भवन एवं उद्यान बनाये गये थे। राजकीय परिवार की स्त्रियों के लिए अनेक सुन्दर भवन थे, जिनमें कमल-प्रासाद सुन्दरतम था। यह भारतीय वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण था। यह माना जाता है कि एक समय में हम्पी रोम से भी समृद्ध नगर था। प्रसिद्ध मध्यकालीन विजयनगर राज्य के खण्डहर वर्तमान हम्पी में मौजूद हैं। इस साम्राज्य की राजधानी के खण्डहर संसार को यह घोषित करते हैं कि इसके गौरव के दिनों में स्वदेशी कलाकारों ने यहां वास्तुकला, चित्रकला एवं मूर्तिकला की एक पृथक शैली का विकास किया था। हम्पी पत्थरों से घिरा शहर है। यहां मंदिरों की खूबसूरत श्रृंखला है, इसलिए इसे मंदिरों का शहर भी कहा जाता है।

मंदिरों का शहर

हम्पी मंदिरों का शहर है जिसका नाम पम्पा से लिया गया है। पम्पा तुंगभद्रा नदी का पुराना नाम है।

विठल स्वामी का मन्दिर

हम्पी में विठल स्वामी का मन्दिर सबसे ऊंचा है। यह विजयनगर के ऐश्वर्य तथा कलावैभव के चरमोत्कर्ष का द्योतक है। मंदिर के कल्याणमंडप की नक्काशी इतनी सूक्ष्म और सघन है कि यह देखते ही बनता है। मंदिर का भीतरी भाग 55 फुट लम्बा है। और इसके मध्य में ऊंची वेदिका बनी है। विक्रम भगवान का रथ केवल एक ही पत्थर में से कटा हुआ है। मंदिर के निचले भाग में सर्वत्र नक्काशी की हुई है। लांगहर्स्ट के कथनानुसार- यद्यपि मंडप की छत कभी पूरी नहीं बनाई जा सकी थी और इसके स्तंभों में से अनेक को मुस्लिम आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया, तो भी यह मन्दिर दक्षिण भारत का सर्वोत्कृष्ट मंदिर कहा जा सकता है। फग्युसन ने भी इस मंदिर में हुई नक्काशी की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। कहा जाता है कि पंढरपुर के विक्रम भगवान इस मंदिर की विशालता देखकर यहां आकर फिर पंढरपुर चले गए थे।

विरुपाक्ष मन्दिर

विरुपाक्ष मन्दिर को पंपापटी मंदिर भी कहा जाता है, यह हेमकुटा पहाडियों के निचले हिस्से में स्थित है। हम्पी के कई आकर्षणों में से यह मुख्य है। 1509 में अपने अभिषेक के समय कृष्णदेव राय ने गोपुड़ा का निर्माण करवाया था। भगवान विठाला या भगवान विष्णु को यह मंदिर समर्पित है। 15वीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर बाजार क्षेत्र में स्थित है। यह नगर के सबसे प्राचीन स्मारकों में से एक है। मंदिर का शिखर जमीन से 50 मीटर ऊंचा है। मंदिर का संबंध विजयनगर काल से है। इस विशाल मंदिर के अंदर अनेक छोटे-छोटे मंदिर हैं जो विरूपाक्ष मंदिर से भी प्राचीन हैं। मंदिर के पूर्व में पत्थर का एक विशाल नंदी है जबकि दक्षिण की ओर भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा है। यहां अर्ध सिंह और अर्ध मनुष्य की देह धारण किए नरसिंह की 6.7 मीटर ऊंची मूर्ति है।

पत्थर का रथ

किंवदंती है कि भगवान विष्णु ने इस जगह को अपने रहने के लिए कुछ अधिक ही बड़ा समझा और अपने घर वापस लौट गए। विरुपाक्ष मंदिर भूमिगत शिव मंदिर है। मंदिर का बड़ा हिस्सा पानी के अन्दर समाहित है, इसलिए वहां कोई नहीं जा सकता। बाहर के हिस्से के मुकाबले मंदिर के इस हिस्से का तापमान बहुत कम रहता है। विठाला मंदिर का मुख्य आकर्षण इसकी खम्बे वाली दीवारें और पत्थर का बना रथ है। इन्हें संगीतमय खंभे के नाम से जाना जाता है, क्योंकि प्यार से थपथपाने पर इनमें से संगीत निकलता है। पत्थर का बना रथ वास्तुकला का अद्भुत नमूना है। पत्थर को तराश कर इसमें मंदिर बनाया गया है, जो रथ के आकार में है। कहा जाता है कि इसके पहिये घूमते थे, लेकिन इन्हें बचाने के लिए सीमेंट का लेप लगा दिया गया है।

बडाव लिंग

पास में स्थित बडाव लिंग चारों ओर से पानी से घिरा है, क्योंकि इस मंदिर से ही नहर गुजरती है। मान्यता है कि हम्पी के एक गरीब निवासी ने प्रण लिया था कि यदि उसकी किस्मत चमक उठी तो वह शिवलिंग का निर्माण करवाया। बडाव का मतलब गरीब ही होता है।

लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर

हम्पी लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर या उग्र नरसिम्हा मंदिर बड़े चट्टानों से बना हुआ है, यह हम्पी की सबसे ऊंची मूर्ति है। यह करीब 6.7 मीटर ऊंची है। नरसिम्हा आदिशेष पर विराजमान हैं। असल में मूर्ति के एक घुटने पर लक्ष्मी जी की छोटी तस्वीर बनी हुई है, जो विजयनगर साम्राज्य पर आक्रमण के समय धूमिल हो गई।

रानी का स्नानागार

हम्पी में स्थित रानी का स्नानागार चारों ओर से बंद है। 15 वर्ग मीटर के इस स्नानागार में गैलरी, बरामदा और राजस्थानी बालकनी है। कभी इस स्नानागार में सुगंधित शीतल जल छोटी-सी झील से आता है, जो भूमिगत नाली के माध्यम से स्नानागार से जुड़ा हुआ था। यह स्नानागार चारों ओर से घिरा और ऊपर से खुला है।

हजारा राम मंदिर

हजारा राम मंदिर हम्पी के राजा का निजी मंदिर माना जाता था। मंदिर की भीतरी और बाहरी दीवारों पर बेहतरीन नक्काशी की गई है। बाहरी कमरों की छतों के ठीक नीचे बनी नक्काशी में हाथी, घोड़ा, नृत्य करती बालाओं और मार्च करती सेना की टुकडियों को दर्शाया गया है, जबकि भीतरी हिस्से में रामायण और देवताओं के दृश्य दिखाए गए हैं। इसमें असंख्य पंखों वाले गरुड़ को भी चित्रित किया गया है।





कमल महल

हम्पी में स्थित कमल के आकार का दो मंजिला महल और इसका मुंडेर महल पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। कमल महल हजारा राम मंदिर के समीप है। यह महल इन्डो-इस्लामिक शैली का मिश्रित रूप है। कहा जाता है कि रानी के महल के आसपास रहने वाली राजकीय परिवारों की महिलाएं आमोद-प्रमोद के लिए यहां आती थीं। महल के मेहराब बहुत आकर्षक हैं।



हाउस ऑफ विक्टरी

हाउस ऑफ विक्टरी स्थान विजयनगर के शासकों का आसन था। इसे कृष्णदेवराय के सम्मान में बनवाया गया जिन्होंने युद्ध में ओडिशा के राजाओं को पराजित किया था। वह हाउस ऑफ विक्टरी के विशाल सिंहासन पर बैठते थे और नौ दिवसीय दसारा पर्व को यहां से देखते थे।

संग्रहालय

कमलापुर में स्थित पुरातत्व विभाग का संग्रहालय बहुत-सी प्राचीन मूर्तियों और हस्तशिल्पों का सग्रंह है। इस क्षेत्र की समस्त हस्तशिल्पों को यहां देखा जा सकता है।

हाथीघर

हम्पी का हाथीघर जीनान क्षेत्र से सटा हुआ है। यह गुम्बदनुमा इमारत है जिसका इस्तेमाल राजकीय हाथियों के लिए किया जाता था। इसके प्रत्येक चेम्बर में एक साथ ग्यारह हाथी रह सकते थे। यह हिन्दू-मुस्लिम निर्माण कला का उत्तम नमूना है।

कब जाएं

अक्टूबर से मार्च की अवधि हम्पी जाने के लिए सबसे उत्तम मानी जाती है। हम्पी जाने के लिए हवाई, रेल और सड़क मार्ग को अपनी सुविधानुसार अपनाया जा सकता है। हम्पी जाने के लिए होस्पेट जाना पड़ता है। हैदराबाद से होस्पेट के लिए रेल है। होस्पेट से आगे 15 किलोमीटर की दूरी पर हम्पी है।

हवाई मार्ग

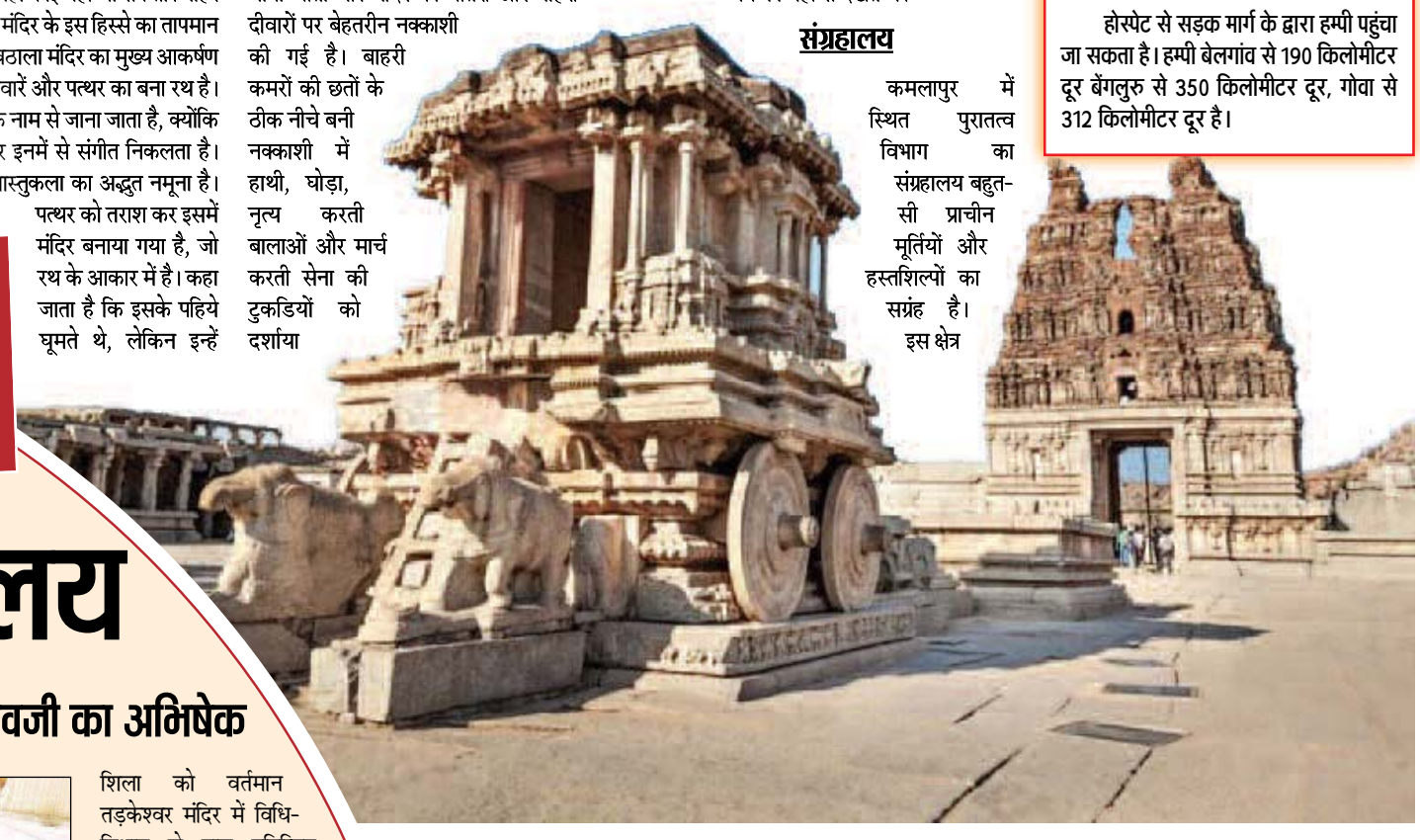
हम्पी से 77 किलोमीटर दूर बेल्लारी सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है। बैंगलोर से बेल्लारी के लिए नियमित उड़ानों की व्यवस्था है। बेल्लारी से राज्य परिवहन की बसों और टैक्सी द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग

हम्पी से 13 किलोमीटर दूर होस्पेट नजदीकी रेलवे स्टेशन है। यह रेलवे स्टेशन हुबली, बैंगलोर, गुंटाकल से जुड़ा हुआ है। होस्पेट से राज्य परिवहन की नियमित बसें हम्पी तक जाती हैं।

सड़क मार्ग

होस्पेट से सड़क मार्ग के द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है। हम्पी बेलगांव से 190 किलोमीटर दूर बेंगलुरु से 350 किलोमीटर दूर, गोवा से 312 किलोमीटर दूर है।



मंदिर की छत दो बार बनाई गई थी। लेकिन पहली बार आग से छत नष्ट हो गयी।और दूसरी बार छत ढह गई। फिर भगवान शिव स्वयं एक भक्त के सपनों में प्रकट हुए और कहा: "मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मुझे सूर्य की किरणों की आवश्यकता है। इसलिए, मंदिर की छत को फिर से नहीं बनाना चाहिए।" उसी दिन से ताड़केश्वर महादेव के मंदिर का निर्माण इस तरह किया गया की शिवलिंग पर सूर्य की किरणे गिरते रहे।

800 साल पुराना शिवालय

गुजरात में तड़केश्वर महादेव मंदिर में सूर्य की किरणें करती हैं शिवजी का अभिषेक

दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में वांकी नदी के किनारे बसा है अब्रामा गांव। यहां विराजमान हैं प्राचीन अलौकिक तड़केश्वर महादेव। भोलेनाथ के इस मंदिर पर शिखर का निर्माण संभव नहीं है, इसलिए सूर्य की किरणें सीधे शिवलिंग का अभिषेक करती हैं।



1994 में हुआ था जीर्णोद्धार

1994 में मंदिर का जीर्णोद्धार कर 20 फुट के गोलाकार आकृति में खुले शिखर का निर्माण किया गया। शिव भक्त-उपासक हर समय यहां दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित करने आते रहते हैं। पावन श्रावण माह व महाशिव रात्रि पर यहां विशाल मेला लगता है।

स्वप्न में शिव जी ने बताया था

800 वर्ष पुराने इस अलौकिक मंदिर के बारे में उल्लेख मिलता है कि एक ग्वाले ने पाया कि उसकी गाय हर दिन झूंड से अलग होकर घने जंगल में जाकर एक जगह खड़ी होकर अपने आप दूध की धारा प्रवाहित करती है। ग्वाले ने अब्रामा गांव लौटकर ग्रामीणों को उसकी सफेद गाय द्वारा घने वन में एक पावन स्थल पर स्वतः दुग्धाभिषेक की बात बताई। शिव भक्त ग्रामीणों ने वहां जाकर देखा तो पवित्र स्थल के गर्भ में एक पावन शिला विराजमान थी।

फिर शिव भक्त ग्वाले ने हर दिन घने वन में जाकर शिला अभिषेक-पूजन शुरू कर दिया। ग्वाले की अटूट श्रद्धा पर शिवजी प्रसन्न हुए। शिव जी ने ग्वाले को स्वप्न दिया और आदेश दिया कि घनघोर वन में आकर तुम्हारी सेवा से मैं प्रसन्न हूं। अब मुझे यहां से दूर किसी पावन जगह ले जाकर स्थापित करो। ग्वाले ने ग्रामीणों को स्वप्न में मिले आदेश की बात बताई।

कभी बन नहीं पाया शिखर

ग्वाले की बात सुनकर सारे शिव भक्त ग्रामीण वन में गए। पावन स्थल पर ग्वाले की देखरेख में खुदाई की तो यह शिला सात फुट की शिवलिंग स्वरूप में निकली। फिर ग्रामीणों ने पावन शिला को वर्तमान तड़केश्वर मंदिर में विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठित किया। साथ ही चारों ओर दीवार बना कर ऊपर छप्पर डाला। ग्रामीणों ने देखा कि कुछ ही वक्त में यह छप्पर स्वतः ही सुलग कर स्वाहा हो गया।

ऐसा बार-बार होता गया, ग्रामीण बार-बार प्रयास करते रहे। ग्वाले को भगवान ने फिर स्वप्न में बताया मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मेरे ऊपर कोई छप्पर-आवरण न बनाएं। फिर ग्रामीणों ने शिव के आदेश को शिरोधार्य किया। शिवलिंग का मंदिर बनवाया लेकिन शिखर वाला हिस्सा खुला रखा ताकि सूर्य की किरणें हमेशा शिवलिंग पर अभिषेक करती रहें। तड़के का अभिप्राय धूप है जो यहां शिव जी को प्रिय है।

हिमाचल के सोलन की हसीन वादियों में बसा है एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर

दोस्तों आपको पता ही होगा की भारत देश मंदिरो का देश हैं। वैसे तो भारत में कई खूबसूरत मंदिर है जिन्हें देखने हर साल देश-विदेश से करोड़ों सैलानी आते हैं। लेकिन हम जिस भव्य शिव मंदिर के बारे में आज बताने जा रहे है वो है हिमाचल प्रदेश के सोलन की हसीन वादियों में स्तिथ जटोली का शिव मंदिर।

जटोली शिव मंदिर को एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर कहा जाता हैं। हाल ही में मंदिर में 11 फुट लंबा स्वर्ण कलश चढ़ाया गया हैं। इससे जटोली शिव मंदिर की ऊंचाई करीब 122 फुट तक पहुंच गई है।

देवो के देव महादेव का यह मंदिर सोलन से करीब 6 किलोमीटर दूर है। दक्षिण-द्रविड़ शैली में बने भोलेनाथ के इस मंदिर की नक्काशी की सुंदरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है की इस शिव मंदिर को बनने में करीब 39 साल का समय लगा।



ऐसा माना जाता है की भोलेनाथ ने यहां कुछ समय के लिए यहाँ विश्राम किया था। उसके बाद तपस्वी बाबा स्वामी कृष्णानंद परमहंस के मार्गदर्शन पर 1973 में जटोली शिव मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।

इस मंदिर के चारों तरफ आप कुदरत के बेहतरीन नजारों का भी लुफ़्त ले सकते हैं।

कैसे पहुंचे :

सोलन से बस/टैक्सी से राजगढ़ रोड़ होते हुए आसानी से जटोली शिव मंदिर पंहुचा जा सकता है। सड़क से करीबन 100 सीढ़ियां चढ़ने के बाद महादेव के दर्शन होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

वोट बुलावा अभियान के तहत विद्यार्थियों ने घर-घर पहुंचकर ग्रामीणों को मतदान के लिए किया जागरूक



चमकता राजस्थान/धौलपुर संवाददाता :रामदास तरुण धौलपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी धौलपुर के निर्देशन एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी बाड़ी की अध्यक्षता में स्वीप सतरंगी सप्ताह कैलेंडर के अंतिम दिवस 30 अक्टूबर 2026 को जिले के राजकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों पर 'वोट बुलावा अभियान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों ने गांवों में घर-घर जाकर ग्रामीणों को पीले चावल देकर पंचायती राज संस्थाओं के आगामी चुनावों में शत-प्रतिशत मतदान करने का निमंत्रण दिया। विद्यार्थियों ने ग्रामीणों से अपील की कि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लें और अपने मताधिकार का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें। इस दौरान विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को जागरूक करते हुए कहा कि मतदान करते समय राष्ट्र के विकास एवं जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। धर्म, जाति, लिंग, समुदाय अथवा किसी भी प्रकार के प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना निष्पक्ष एवं स्वतंत्र रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करें। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को मतदान के महत्व, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं जागरूक नागरिक की जिम्मेदारी के प्रति प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों ने भी इस अभियान में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाते हुए अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में विद्यालय स्टाफ, विद्यार्थियों एवं निरीक्षण टीम के सदस्यों ने सामूहिक रूप से मतदान की शपथ ली। इसके साथ ही स्वीप सतरंगी सप्ताह कैलेंडर के अंतिम दिवस के कार्यक्रमों का समापन हुआ।

तहसील फोर्थ क्लास की नौकरी छोड़कर अब बनेगा टीचर देवेंद्र भाई

- **मेहनत, लगन और माता-पिता के आशीर्वाद से हासिल की सफलता, पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर**

चमकता राजस्थान/गजवाड़ा/गोपाल सिलोरिया करावन झालावाड़ । गजवाड़ा गांव के रहने वाले देवेंद्र भाई ने मेहनत और लगन की मिसाल पेश की है। माता-पिता के आशीर्वाद और कड़ी मेहनत से देवेंद्र भाई मनोहर थाना तहसील कार्यालय मे दो महीने पहले ही सहायक कर्मचारी (फोर्थ क्लास) के पद पर नौकरी लगी थी। अब देवेंद्र भाई का सेकंड ग्रेड शिक्षक भर्ती (गणित)में चयन हुआ है।



देवेंद्र भाई ने बताया - ₹बचपन से ही शिक्षक बनने का सपना था। जब पता लगा फोर्थ क्लास की वैकेंसी निकली है तो देवेंद्र ने फोर्थ क्लास का फॉर्म डाल दिया किस्मत ने साथ दिया और फोर्थ क्लास में जॉइनिंग मिल गई।

हेमसिंह प्रोसेस सरवर ने बताया की देवेन्द्र जी के साथ आठ सहायक कर्मचारी और भी लगे है उनमे से देवेन्द्र जी का 2 महीने ही तहसील कार्यालय मनोहर थाना में फोर्थ क्लास के पद पर कार्यरत रहकर और इन दो महीने मे आये चुनाव नगर पालिका और पंचायती राज चुनाव कार्य बड़ी लगन से चुनाव कार्य भी किया चुनाव में भी बहुत ही अच्छी सराहना के साथ जॉब करी

परिवार, माता-पिता के आशीर्वाद और गांव वालों के सहयोग से आज यह मुकाम हासिल हुआ है। अब बच्चों को अच्छी शिक्षा देना मेरा लक्ष्य है। इस सफलता पर गजवाड़ा सहित पूरे मनोहर थाना क्षेत्र में खुशी की लहर है। गांव वालों ने बताया कि देवेंद्र ने कठिन परिश्रम से यह साबित कर दिया कि मेहनत से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। देवेंद्र भाई अब जल्द ही राजकीय स्कूल में सेकंड ग्रेड टीचर के पद पर ज्वाइन करेंगे।

गांवः गजवाड़ा, तहसील - मनोहर थाना, जिला - झालावाड़ (राजस्थान)

कांग्रेस की आपातकाल वाली मानसिकता से लोकतंत्र को खतरा - मदन राठौड

एसआईआर कोई नई परंपरा नहीं, कांग्रेस शासन में 10 बार हुआ : मदन राठौड

चमकता राजस्थान

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने कहा है कि एसआईआर ना भारत में पहली बार हो रहा है ना दुनिया से अनजाना है। उन्होंने कहा कि 10 बार एसआईआर कांग्रेस की सरकारों में हुआ है तब एसआईआर लोकतंत्र के लिए ठीक था और अब 23 साल बाद में हो रहा है, तो कांग्रेस को लोकतंत्र खतरे में लगता है जबकि लोकतंत्र पर खतरा कांग्रेस की आपातकाल वाली मानसिकता और विदेशी टूल किट के रूप में की जा रही राजनीति से है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता झूठ फैलाकर देश में अराजकता का माहौल बनाना चाहते हैं जो न देश की जनता के हित में है और नहीं लोकतंत्र के हित में है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज इंदिरा गांधी को लोकतंत्र से जोड़कर जो बातें कही है उससे लगता है कि अशोक गहलोत जी एक नए झूठ के साथ और आलाकमान को खुश करने के लिए अराजकता प्रिय राहुल गांधी के निर्देशों पर यहां बयान बाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि



जिस भारत बचाओ रैली की वह बात कर रहे हैं उससे पहले इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल थोपा था अखबारों पर ताले थे जनता के अधिकार निलंबित थे, नेता सड़क पर नहीं हवालात में थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि लोकतंत्र के लिए जिनका आदर्श इंदिरा गांधी हो उनसे देश के लोकतंत्र को खतरा ही हो सकता है और इसे ही लेकर जनता को जागरूक करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ अभियान चलाया है। उन्होने कहा कि 13 करोड़ वोट काटने का उनका बयान उस राजनीतिक पाखंड का हिस्सा है जो बात तो लोकतंत्र की करता है पर उसका लूटतंत्र में और भीड़तंत्र में विश्वास है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि जिन 13 करोड़ वोट काटने का झूठ कांग्रेस फैला रही है उनमें से 2.80 करोड़ का निधन हो चुका है, 6.3 करोड़ मतदाताओं ने स्थान परिवर्तन कर लिया है, 1 करोड़ मतदाताओं के नाम एक से अधिक स्थान पर है और 3 करोड़ मतदाताओं के बारे में कोई जानकारी नही मिल रही है उन्हे चिन्हित किया गया है नाम काटे नही गए है। उन्होने कहा कि क्या कांग्रेस मृतकों और अन्य स्थान पर चले गए मतदाताओं के वोट अन्य लोगो से करवाकर देश के लोकतंत्र का चीरहरण करना चाहती है।

जियो ने एयरटेल से करीब 10 गुना ज्यादा कोर मोबाइल ग्राहक जोड़े

सितंबर में जियो के 19 लाख और एयरटेल के 2 लाख कोर मोबाइल ग्राहक बढ़े

चमकता राजस्थान

नई दिल्ली। शेयर बाजार में दमदार लिस्टिंग के बाद रिलायंस जियो के लिए मोबाइल ग्राहकों के मोर्चे पर भी अच्छी खबर है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (TRAI) की सितंबर की रिपोर्ट पर आधारित DAM Capital और IIFL Capital के विश्लेषण के मुताबिक, मशीन-टू-मशीन (M2M) कनेक्शन हटाने पर जियो के मोबाइल ग्राहकों की संख्या 19 लाख बढ़ी, जबकि एयरटेल के ग्राहकों में 2 लाख की बढ़ोतरी हुई। यानी जियो ने एयरटेल के मुकाबले करीब 10 गुना ज्यादा कोर मोबाइल ग्राहक जोड़े। देश में इस श्रेणी के मोबाइल ग्राहकों की कुल संख्या 22 लाख बढ़ी, जिसमें अकेले जियो की हिस्सेदारी करीब 86 फीसदी रही।



- **देश में कोर मोबाइल ग्राहकों की कुल बढ़ोतरी में जियो की हिस्सेदारी करीब 86 फीसदी, एक्टिव यूजर्स में भी बढ़त**
- **कोर मोबाइल ग्राहक यानी मशीनों और उपकरणों में इस्तेमाल होने वाले मशीन-टू-मशीन कनेक्शन हटाकर गिने गए ग्राहक**

एक्टिव मोबाइल यूजर्स के मामले में भी जियो ने मजबूत प्रदर्शन किया। DAM Capital की रिपोर्ट के मुताबिक, ट2ट कनेक्शन हटाकर की गई गणना में सितंबर के दौरान जियो के एक्टिव यूजर्स की संख्या 13 लाख बढ़ी, जबकि एयरटेल व वोडाफोन आइडिया के एक्टिव यूजर्स घटे। एयरटेल के 2 लाख और वोडाफोन आइडिया के 3 लाख एक्टिव यूजर्स कम हुए। इस आधार पर देशभर में एक्टिव मोबाइल यूजर्स की कुल संख्या में 6 लाख की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

कुल मोबाइल ग्राहक संख्या के मामले में भी जियो ने अपनी बढ़त बरकरार रखी। TRAI के आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर के अंत में जियो के पास 51.11 करोड़ मोबाइल ग्राहक थे, जबकि एयरटेल का ग्राहक आधार 49.43 करोड़ रहा। वहीं, वोडाफोन आइडिया के 20.01 करोड़ और सरकारी टेलीकॉम कंपनी इरठछ के 9.43 करोड़ मोबाइल ग्राहक थे। इन कुल आंकड़ों में M2M कनेक्शन भी शामिल हैं।

डग महाराजा अजमीढ़ जयंती पर डग में निकली भव्य शोभायात्रा



चमकता राजस्थान/(कुन्दन व्यास)। डग बैंड-बाजे और ढोल-नगाड़ों के साथ गूंजे जयकारे,मातृशक्ति व युवतियों ने भजनों पर किया नृत्य, बुजुर्गों का किया सम्मान।डग स्वर्णकार समाज के तत्वावधान में समाज के पितृपुरुष महाराजा अजमीढ़ जी महाराज की जयंती हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई।इस अवसर पर डगेश्वरी माता मंदिर से विधिवत पूजा-अर्चना के बाद महाराजा अजमीढ़ जी को सुसज्जित रथ में विराजित कर बैंड-बाजे एवं ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई।शोभायात्रा जगदीश मंदिर,गणेश चौक,होली थड़ा,बुधवारिया बाजार एवं पुराना बस स्टैंड होते हुए गायत्री मंदिर पहुंची।शोभायात्रा में मातृशक्ति एवं युवतियों ने धार्मिक भजनों की धुन पर नृत्य कर माहौल को भक्तिमय बना दिया।वहीं समाजबंधुओं ने महाराजा अजमीढ़ जी के जयकारे लगाते हुए उत्साहपूर्वक भाग लिया।मार्ग में मां शारदे सांस्कृतिक मंच एवं खाटूश्याम मित्र मंडल की ओर से पुष्पवर्षा एवं अल्पाहार के साथ शोभायात्रा का स्वागत किया गया।नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अजय नागर एवं उनकी मंडली ने महाराजा अजमीढ़ जी की पूजा-अर्चना कर पुष्पवर्षा की।इस दौरान सोनी समाज नगर अध्यक्ष दिलीप सोनी एवं जिला उपाध्यक्ष किशोर सोनी का साफा बांधकर स्वागत किया गया।गायत्री मंदिर पहुंचने पर समाज की कार्यकारिणी की ओर से बुजुर्गों,मातृशक्ति एवं समाज के वरिष्ठजनों का शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया।इसके पश्चात महाराजा अजमीढ़ जी की पूजा-अर्चना एवं आरती कर सामूहिक महाप्रसादी का आयोजन हुआ।समाज की एकजुटता पर दिया जोर,समारोह में वक्ताओं ने महाराजा अजमीढ़ जी के जीवन एवं आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए समाज को संगठित,शिक्षित एवं एकजुट रहने का संदेश दिया।साथ ही समाज के सर्वांगीण उत्थान, आपसी सहयोग एवं संगठन की मजबूती को लेकर विचार व्यक्त किए।आयोजन में स्वर्णकार समाज के महिला-पुरुषों,युवाओं एवं वरिष्ठजनों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।।

हस्ताक्षर कर विद्यार्थियों ने लिया मतदान जागरूकता का संकल्प

हस्ताक्षर अभियान के जरिए लोकतंत्र में भागीदारी का दिया संदेश, परिजनों और परिचितों को भी मतदान के लिए करेंगे प्रेरित

चमकता राजस्थान

ब्यावर। लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मतदाता की भागीदारी जरूरी है। इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला स्वीप टीम की ओर से जिलेभर के राजकीय एवं गैर-राजकीय विद्यालयों में मतदाता जागरूकता की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में विद्यालयों में हस्ताक्षर अभियान चलाकर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय स्टाफ को मतदान के प्रति जागरूक किया गया।

अभियान के तहत विद्यालयों में



हस्ताक्षर पट्टिकाएं तैयार करवाई गईं, जिन पर विद्यार्थियों और शिक्षकों ने हस्ताक्षर कर निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। साथ ही उन्होंने अपने परिवारजनों, परिचितों और आसपास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान की अहमियत समझाते हुए संदेश दिया गया कि जागरूक मतदाता ही मजबूत लोकतंत्र की आधारशिला है।

अतिरिक्त परियोजना अधिकारी विजयदान देथा के मार्गदर्शन में जिला स्वीप टीम की ओर से विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नियमित रूप से थीम आधारित जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इनका उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों से जोड़ने के साथ मतदान के प्रति जिम्मेदारी और सक्रिय भागीदारी की भावना विकसित करना है।

खाद्य सुरक्षा दल द्वारा जिले में सघन अभियान

- **7हजार 800 किलो चांवल, 1हजार 410 किलो बेसन को सीज किया**



चमकता राजस्थान/ब्यावर। मे शुक्रवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान सरकार की महत्वांकांक्षी योजना शुद्ध आहार मिलावट पर वार के अन्तर्गत आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधी नियंत्रण जयपुर व कमल राम मीणा जिला कलैक्टर, ब्यावर के विशेष निर्देशन एवं डॉ. संजय गहलोत, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, ब्यावर के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा दल द्वारा जिले में सघन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत कुन्दन एडीबल ऑईल इण्डस्ट्रीज, गंगाराम एण्ड कम्पनी व धनलक्ष्मी फ्लोर मिल्स का औचक निरीक्षण किया गया जिसमें कुंदन एडीबल से सरसों व मूंगफली तेल तथा गंगाराम एण्ड कम्पनी व धनलक्ष्मी फ्लोर से बेसन व चांवल के सैम्पल लिये गये। चांवल व बेसन में ईलियों पाई गई व चूहों द्वारा चांवल के बैग कुतरे हुये पाये गये तथा बिना नाम, लैबल व पैकिंग एक्सपायरी रहित पाये गये जो कि करीब 7800 किलो चांवल, 1410 किलो बेसन को सीज किया गया व मौके पर ही 30 किलो चांवल को नष्ट कराया गया। उक्त कमियों जो पाई गई थी, के लिये नियमानुसार नोटिस देकर पाबंद किया गया। उक्त कार्यवाही में खाध्य सुरक्षा अधिकारी नारायण सिंह व दशरथ सिंह उपस्थित रहे। उक्त कार्यवाही में लिये गये नमूनों को अजमेर लैब में भिजवा दिया गया है जिसकी रिपोर्ट आने पर नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय गहलोत ने आमजन से अपील की है कि वे सावधान रहकर ही खाध सामग्री खरीदें। उपयोग से पहले पैकिंग की तारीख, अवधि समाप्त होने की तारीख, निर्माता का पूर्ण विवरण, मिठाई बनने की तारीख की जानकारी देखकर ही खरीदें एवं विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों की पालन करना सुनिश्चत करें। दीपावली के त्यौहार को देखते हुये विशेष सधन जांच अभियान जिले में निरन्तर चलाया जायेगा ताकि आमजन को शुद्ध-स्वच्छ व सुरक्षित खाध सामग्री उपलब्ध हो सके।

रायसिंहनगर वन विभाग के अधिकारी कुंभकर्णी नींद में! शिकायत के बाद पौधारोपण के नाम पर महज औपचारिकता के आरोप

चमकता राजस्थान

सामाजिक कार्यकर्ता मुकुंद सिंह ने उच्च अधिकारियों तक पहुंचाई शिकायत, सवाल—वन विभाग की जमीन पर खड़ी नरमा की फसल पर कार्रवाई कब होगी?

रायसिंहनगर (संजय बिश्नोई) । रायसिंहनगर में वन विभाग की जमीन पर वर्षों से पौधारोपण नहीं होने और कथित अतिक्रमण को लेकर विभागीय अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता मुकुंद सिंह द्वारा मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाए जाने के बाद विभाग की कार्रवाई पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

आरोप है कि शिकायत उच्च अधिकारियों तक पहुंचने के बाद वन विभाग की ओर से एक ट्रैक्टर ले जाकर जमीन के एक हिस्से में तवियां लगवाई गईं और फोटो खिंचवाकर भेज दी गई। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल फोटो भेज देना ही विभागीय जिम्मेदारी पूरी करना है? यदि पौधारोपण के नाम पर सिर्फ औपचारिकता की गई है, तो जमीन पर वास्तविक काम कब होगा?

वन विभाग की जमीन पर खड़ी नरमा की फसल, कार्रवाई का इंतजार

मामले में सबसे बड़ा सवाल कथित अतिक्रमण को लेकर है। आरोप है कि वन विभाग की जमीन पर अभी भी नरमा की फसल खड़ी है। यदि जमीन वास्तव में विभाग की है, तो संबंधित अधिकारियों ने अब तक मौके की जांच कर नियमानुसार



कार्रवाई क्यों नहीं की? क्या विभाग के पास जमीन की स्थिति का रिकॉर्ड नहीं है या फिर कार्रवाई को लेकर गंभीरता की कमी है?

जब उच्च अधिकारी ही गंभीर नहीं, तो निचले स्तर पर कार्रवाई की उम्मीद कैसे?

सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा मामला उठाए जाने के बावजूद यदि जमीन पर पौधारोपण और कथित अतिक्रमण की समस्या जस की तस बनी हुई है, तो उच्च अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। आखिर वन विभाग के अधिकारी अपनी जमीन की सुरक्षा और हरियाली बढ़ाने के प्रति कितने गंभीर हैं?

अब जरूरत है कि संबंधित उच्च अधिकारी मौके का निरीक्षण करें, जमीन की राजस्व एवं विभागीय स्थिति की जांच करवाएं और यदि अतिक्रमण की पुष्टि होती है तो नियमानुसार कार्रवाई करें। साथ ही, पौधारोपण के नाम पर हुई कार्रवाई की वास्तविकता भी सार्वजनिक की जाए।

बड़ा सवालः क्या वन विभाग के उच्च अधिकारी इस मामले में संज्ञान लेकर जवाबदेही तय करेंगे, या फिर जमीन पर खड़ी नरमा की फसल और पौधारोपण का मुद्दा यूं ही फाइलों में दबा रहेगा?

''स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए किरण प्रिंटर्स प्लॉट नंबर 7 ,देवी नगर विस्तार,न्यू सांगानेर रोड,जयपुर से मुद्रित एवं 1 -ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6, जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान, मोबाइल : 9314505000
(पीआईबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी सम्पादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929''